twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

# दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | शुक्रवार, 16 मई, 2025 | वर्ष: 12, अंक: 188, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

# पाक आतंकी संगठनों को पनाह देना बंद करे: राजनाथ

## पाकिस्तान के एटम बमों को अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी अपनी निगरानी में ले: राजनाथ

**नई दिल्ली**

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को पूरी दुनिया के सामने सवाल उठाया कि क्या परमाणु हथियार पाकिस्तान के हाथों में सुरक्षित हैं? उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के परमाणु बमों को अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) की निगरानी में लिया जाना चाहिए। उसने पहलगाम में आतंकवादी घटना से भारत के माथे पर चोट पहुंचा कर भारत की सामाजिक एकता को तोड़ने का प्रयास किया। उसने भारत के माथे पर वार किया, तो हमने उनकी छाती पर घाव दिए हैं। पाकिस्तान के जख्मों का इलाज इसी बात में है कि वह आतंकवादी संगठनों को पनाह देना बंद करे, भारत के खिलाफ अपनी जमीन का इस्तेमाल न होने दे। पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ ऑपरेशन 'सिंदूर' के स्थगित होने के बाद रक्षा मंत्री का यह पहला श्रीनगर दौरा है। वे ऑपरेशन 'सिंदूर' के दौरान हुई सैन्य कार्रवाई पर सैनिकों के प्रति आभार जताने यहां पहुंचे हैं। श्रीनगर के बादामी बाग कैंट में भारतीय सेना के बहादुर सैनिकों को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि मैं आपकी उस ऊर्जा को महसूस करने आया हूं, जिसने दुश्मनों को नेस्तनाबूद कर दिया। आपने जिस तरीके से सीमा पार पाकिस्तान की चौकियों और बंकरों को ध्वस्त किया, दुश्मन उसे कभी भूल नहीं पायेगा। आपने देखा होगा कि आमतौर पर लोग जोश में होश खो देते हैं, लेकिन आपने जोश भी रखा, होश भी रखा और सूझबूझ के साथ दुश्मन के ठिकानों को बर्बाद किया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन 'सिंदूर' में उस एक-एक जवान की आंखों में देखा गया सपना था कि हर आतंकी ठिकाना, चाहे वो घाटियों में छुपा हो या बंकरों में दबा हो, हम वहां पहुंचेंगे और दुश्मन की छाती चीरकर उन आतंकी ठिकानों को खत्म करके ही लौटेंगे।

## भारत-पाकिस्तान सीजफायर पर ट्रम्प का यू-टर्न

### पहले कहा था युद्धविराम कराया, अब बोले- मैंने सिर्फ मदद की

**दोहा**

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने आज स्वीकार किया कि भारत-पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष रुकवाने में उनकी भूमिका केवल मददगार की थी, उन्होंने संघर्ष नहीं रुकवाया है। ट्रम्प का आज का यह बयान उनके पिछले दावों से अलग है, जिसमें वे संघर्ष विराम का श्रेय लेने का प्रयास कर रहे थे। पिछले चार दिनों से लगातार राष्ट्रपति ट्रम्प अलग-अलग मंचों से इस बात को दोहरा रहे थे कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को शांत करने में अहम भूमिका निभाई। आज ट्रम्प ने कहा कि अगर स्थिति नहीं संभाली जाती, तो ह्यएक अलग तरह की मिसाइलें चल सकती थीं। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनके प्रयासों से यह संकट टल गया और दोनों देशों ने व्यापार की दिशा में सोचने की पहल की। राष्ट्रपति ट्रम्प ने आज कतर के अल उदीद एयर बेस पर अमेरिकी सैनिकों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा, मैं यह नहीं कहना चाहता कि मैंने ऐसा किया, लेकिन मैंने पिछले सप्ताह पाकिस्तान और भारत के बीच समस्या को सुलझाने में निश्चित रूप से मदद की, जो अधिक से अधिक शत्रुतापूर्ण होती जा रही थी और आपको एक अलग प्रकार की मिसाइलें दिखाई देने लगीं।

## पाक के साथ संबंध और बातचीत दोनों हमेशा रहेंगे द्विपक्षीय: जयशंकर

**नई दिल्ली**

विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने गुरुवार को कहा कि पाकिस्तान के साथ भारत का संबंध और बातचीत हमेशा द्विपक्षीय ही रहेंगे। इसमें कोई बदलाव नहीं होगा। उन्होंने कहा कि भारत की कार्रवाई केवल पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों तक सीमित थी और हमने अपना लक्ष्य पा लिया है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पाकिस्तान के साथ संघर्ष विराम नहीं हुआ है बल्कि संघर्ष रोका गया है।

उन्होंने पाकिस्तान को चेतावनी दी कि उसे आतंकवाद के पूरे ढांचे को नष्ट करना होगा और वह जानता है कि क्या करना है। विदेश मंत्री ने आज होंडुरास के विदेश मंत्री हेनरी क्वीन के साथ उनके नई दिल्ली स्थित दूतावास का उद्घाटन किया। उन्होंने हॉन्डुरस को आतंकवाद के खिलाफ ठोस समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। कार्यक्रम से इतर विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने गुरुवार को पाकिस्तान, आतंकवाद, अमेरिका से व्यापार वार्ता और संघर्षकाल में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को लेकर महत्वपूर्ण बयान दिया। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत-पाकिस्तान के बीच संबंध और बातचीत हमेशा द्विपक्षीय ही रहेंगे। इसमें कोई बदलाव नहीं होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने साफ कहा है कि पाकिस्तान के साथ बातचीत केवल आतंकवाद पर होगी। पाकिस्तान को उन आतंकवादियों को सौंपना होगा जिसकी सूची हमने दी है और आतंकवादी नेटवर्क को बंद करना होगा। भारत आतंकवाद के मुद्दे पर बातचीत के लिए तैयार है।

## पूर्व रक्षा सचिव अजय कुमार ने यूपीएससी के अध्यक्ष का पदभार संभाला

**नई दिल्ली**

रक्षा मंत्रालय के पूर्व सचिव डॉ. अजय कुमार ने गुरुवार को संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) के अध्यक्ष के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। आयोग के सबसे वरिष्ठ सदस्य लेफ्टिनेंट जनरल राज शुक्ला (सेवानिवृत्त) ने उन्हें शपथ दिलाई। केरल कैडर के 1985 बैच के सेवानिवृत्त भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी अजय कुमार ने पूर्व केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव एवं 1983 बैच की आईएएस अधिकारी प्रीति सूदन का स्थान लिया है। यूपीएससी के अध्यक्ष का पद 29 अप्रैल को प्रीति सूदन का कार्यकाल पूरा होने के बाद खाली हो गया था। डॉ. अजय कुमार ने अपने 35 साल से अधिक के करियर के दौरान केरल राज्य सरकार के साथ-साथ केंद्र में भी महत्वपूर्ण पदों पर काम किया है। केंद्र में उन्होंने विज्ञान और प्रौद्योगिकी निदेशक, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के संयुक्त सचिव, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र के महानिदेशक, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव, रक्षा उत्पादन सचिव जैसे महत्वपूर्ण विभागों को संभाला।

## पुंछ के गोलाबारी प्रभावित क्षेत्रों में नुकसान का आकलन करने के लिए टीमें गठित

**पुंछ**

पुंछ के उपायुक्त विकास कुंडल ने आज जिले के अधिकारियों के साथ एक बैठक की अध्यक्षता की जिसमें जिले में हाल ही में सीमा पार से हुई गोलाबारी के कारण हुए नुकसान के आकलन और सत्यापन के लिए एक समन्वित रणनीति तैयार की गई। बैठक में सीमावर्ती गांवों में प्रभावित संरचनाओं का विस्तृत, जमीनी आकलन करने के लिए ग्राम स्तरीय समितियों (वीएलसी) के गठन पर चर्चा की गई। बैठक में अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त (एडीडीसी), अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी), सहायक आयुक्त राजस्व (एसीआर), तहसीलदार हवेली और मुख्यालय तहसीलदार व्यक्तिगत रूप से उपस्थित थे।

## अपनी वीरता से नक्सलवाद का नामोनिशान मिटा रहे सुरक्षा बल: शाह

**नई दिल्ली**

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि हमारे सुरक्षा बल अपनी वीरता से नक्सलवाद का नामोनिशान मिटा रहे हैं। अमित शाह ने आज दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के ट्रॉमा सेंटर का दौरा किया। उन्होंने छत्तीसगढ़ एवं तेलंगाना सीमा पर कुर्रगुट्टालू हिल्स (केजीएच) में चलाए गए 21 दिनों के नक्सल विरोधी अभियान में घायल हुए चार सुरक्षाकर्मियों के स्वास्थ्य की जानकारी ली और उनका हौंसला बढ़ाया। इस दौरान छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा भी मौजूद थे। कुर्रगुट्टालू हिल्स में चले ऑपरेशन में कोबरा बटालियन के असिस्टेंट कमांडेंट सागर गणेश बोराडे, एचसी मुनेश चंद शर्मा, कांस्टेबल कृष्ण कुमार गुर्जर और कांस्टेबल धनु राम घायल हो गए थे। इस चारों जवानों का उपचार दिल्ली के एम्स ट्रॉमा सेंटर में चल रहा है। गृहमंत्री ने एक्स पोस्ट में कहा, मारे सुरक्षा बल अपनी वीरता से नक्सलवाद का नामोनिशान मिटा रहे हैं। दिल्ली एम्स के ट्रॉमा सेंटर का दौरा किया।

## बांकेबिहारी मंदिर कॉरिडोर का रास्ता साफ, पैसा मंदिर के खजाने से लिया जाएगा

**नई दिल्ली**

वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर का रास्ता साफ हो गया है। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश को संशोधित करते हुए यूपी सरकार को मंदिर के 500 करोड़ रुपयों से कॉरिडोर के लिए मंदिर के पास 5 एकड़ जमीन अधिग्रहित करने की इजाजत दे दी है। जस्टिस बेला एम त्रिवेदी की अध्यक्षता वाली बेंच ने शर्त लगाई कि अधिग्रहित भूमि देवता के नाम पर पंजीकृत होगी। दरअसल, यूपी सरकार कॉरिडोर विकसित करने के लिए 500 करोड़ रुपये से ज्यादा की लागत वहन करना चाहती है लेकिन यूपी सरकार ने संबंधित जमीन खरीदने के लिए मंदिर के पैसों का इस्तेमाल करने का प्रस्ताव रखा था।

बांके बिहारी जी ट्रस्ट के पास मंदिर के नाम पर फिक्स डिपॉजिट है। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने 8 नवंबर 2023 को यूपी सरकार के इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया।

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा था कि कॉरिडोर को बनाया जाना चाहिए लेकिन इसमें मंदिर के फंड का उपयोग नहीं किया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के इसी आदेश को संशोधित करते हुए यूपी सरकार को प्रस्तावित भूमि का अधिग्रहण करने के लिए मंदिर के फिक्स डिपॉजिट में रखी राशि के इस्तेमाल की इजाजत दे दी।

## राष्ट्रपति ने कोर्ट को प्रेसिडेंशियल रेफरेंस भेज पूछे 14 सवाल

**नई दिल्ली**

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राज्य सरकार के विधेयकों को मंजूरी देने के लिए समयसीमा लागू करने के संबंध में सुप्रीम कोर्ट से स्पष्टीकरण मांगा है। राष्ट्रपति ने संविधान के अनुच्छेद 143 के तहत सुप्रीम कोर्ट को 14 सूत्री प्रेसिडेंशियल रेफरेंस भेजे हैं। प्रेसिडेंशियल रेफरेंस में कहा गया है कि क्या सुप्रीम कोर्ट राष्ट्रपति को अनुच्छेद 201 के तहत राज्यपाल द्वारा उनके लिए आरक्षित विधेयक पर निर्णय लेने के लिए तीन महीने की समयसीमा निर्धारित कर सकता है, जबकि ऐसी कोई संवैधानिक रूप से निर्धारित समयसीमा नहीं है। संविधान के अनुच्छेद 143 के तहत सुप्रीम कोर्ट को भेजे गए संदर्भ में अनुच्छेद 200 के तहत राज्यपाल के समक्ष विधेयक प्रस्तुत किए जाने पर उनके समक्ष संवैधानिक विकल्पों पर स्पष्टता मांगी गई है। मोटे तौर पर प्रेसिडेंशियल रेफरेंस में पूछा गया है कि क्या न्यायिक आदेश यह निर्धारित कर सकते हैं कि राष्ट्रपति और राज्यपालों को अनुच्छेद 200 (राज्य विधेयकों पर राज्यपालों द्वारा स्वीकृति प्रदान करने की प्रक्रिया को शामिल करने वाला प्रावधान) और 201 (जब विधेयकों को राज्यपालों द्वारा राष्ट्रपति की स्वीकृति के लिए आरक्षित किया जाता है) के तहत कब तक और कैसे कार्य करना चाहिए। प्रेसिडेंशियल रेफरेंस में कहा गया है कि अनुच्छेद 201 के तहत राष्ट्रपति की सहमति न्यायोचित है या नहीं, इस बारे में सुप्रीम कोर्ट के विरोधाभासी निर्णय थे। रेफरेंस में संविधान के अनुच्छेद 142 की रूपरेखा और दायरे पर भी सुप्रीम कोर्ट की राय मांगी गई है। यह प्रेसिडेंशियल रेफरेंस 13 मई को जारी किया गया था, जो भारत के मुख्य न्यायाधीश के रूप में न्यायमूर्ति संजीव खन्ना का अंतिम कार्य दिवस था। अब राष्ट्रपति के संदर्भ का जवाब देने के लिए संविधान पीठ गठित करने की जिम्मेदारी वर्तमान मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई पर होगी।

## वक्फ कानून के खिलाफ याचिका पर सुनवाई 20 मई को

**नई दिल्ली**

सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ संशोधन कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर गुरुवार को सुनवाई टाल दी। चीफ जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता वाली बेंच ने इस मामले पर 20 मई को सुनवाई करने का आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि इस मामले में कोर्ट का पहले का अंतरिम आदेश जारी रहेगा। वक्फ कानून 1995 को चुनौती देने वाली याचिका पर चीफ जस्टिस ने कहा कि 1995 के कानून को हम 2025 में चुनौती देने की अनुमति कैसे दे सकते हैं। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में वक्फ संशोधन कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं का विरोध करते हुए कहा है कि ये संशोधन मौलिक अधिकारों का उल्लंघन नहीं करता है। सुप्रीम कोर्ट में दाखिल जवाबी हलफनामे में केंद्र सरकार ने कहा है कि वक्फ कानून में संशोधन संपत्तियों के धर्मनिरपेक्ष प्रबंधन के लिए है। केंद्र सरकार ने हलफनामे में कहा है कि वक्फ संशोधन कानून किसी भी तरह से संविधान के अनुच्छेद 25 और 26 का उल्लंघन नहीं करता है। ये संशोधन सरकार के कार्यक्षेत्र के तहत किया गया है। केंद्र सरकार ने कहा है कि जो संपत्तियां पहले से वक्फ के रुप में रजिस्टर्ड हैं उन्हें बाय यूजर के प्रावधान से कोई असर नहीं पड़ेगा। ये गलत नैरेटिव फैलाया जा रहा है कि इससे सदियों पुराने वक्फ संपत्तियों पर असर पड़ेगा। इससे पहले 17 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार ने कहा था कि वक्फ संशोधन कानून के विवादित प्रावधान फिलहाल लागू नहीं होंगे। यानि फिलहाल इस कानून पर यथास्थिति बनी रहेगी। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने केंद्र सरकार के बयान को रिकॉर्ड पर लेते हुए केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया था।

## जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने तुर्किये के संस्थानों से तोड़े संबंध

**नई दिल्ली**

देश में तुर्किये के बहिष्कार की बढ़ती मांग के बीच जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय ने भी तुर्किये के शैक्षणिक संस्थानों के साथ अपने सभी अकादमिक सहयोग रोक दिए हैं। जेएमआई विश्वविद्यालय ने एक्स पर पोस्ट किया, राष्ट्रीय सुरक्षा के मद्देनजर, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली और तुर्किये गणराज्य की सरकार से संबद्ध किसी भी संस्थान के बीच किसी भी समझौता ज्ञापन (एमओयू) को तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक निलंबित कर दिया गया है। जामिया मिल्लिया इस्लामिया राष्ट्र के साथ मजबूती से खड़ा है। विश्वविद्यालय की पीआरओ प्रोफेसर साइमा सईद ने एक बयान में कहा कि हमने तुर्किये से संबद्ध संस्थानों के साथ सभी समझौता ज्ञापनों को निलंबित कर दिया है। जामिया राष्ट्र और भारत सरकार के साथ खड़ा है।

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) ने तुर्किये के इनोनू विश्वविद्यालय के साथ शैक्षणिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) को निलंबित करने की घोषणा की थी।

## मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शहीद दिनेश शर्मा को दी श्रद्धांजलि

**पलवल**

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गुरुवार को पलवल जिले के होडल उपमंडल के गांव नगला मोहम्मदपुर पहुंचकर पुंछ सीमा पर शहीद हुए लांस नायक दिनेश कुमार शर्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने शहीद के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया और परिजनों को ढांढस बंधाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि शहीद दिनेश ने पाकिस्तानी गोलीबारी का डटकर मुकाबला करते हुए मातृभूमि की रक्षा में सर्वोच्च बलिदान दिया, जिस पर सभी भारतवासियों को गर्व है। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार दुख की इस घड़ी में परिवार के साथ है और हर संभव सहायता प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि गांव में ऑपरेशन सिंदूर शहीद दिनेश कुमार शर्मा के नाम से एक पार्क बनाया जाएगा। शहीद के पिता दयाचंद ने ढाई बीघा जमीन पर पार्क बनाने की मांग की थी, जिसे मुख्यमंत्री ने स्वीकार किया। साथ ही, सरकार की योजनाओं के तहत शहीद के परिवार को आर्थिक सहायता और अन्य सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। इसके उपरांत मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गांव के सरपंच कुमार युगपुरूष के निवास स्थान पर पहुंचकर सरपंच के दादा स्वर्गीय पंडित शीशराम पाठक को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए नमन किया। उन्होंने परिवार को सांत्वना दी और ढांढ़स बंधाया।प्राथमिक पाठशाला को अपग्रेड करने की घोषणा गांव से लौटते समय मार्ग पर महिलाओं को देखकर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपना काफिला रुकवाया और ग्रामीण महिलाओं की मांगों को सुना। महिलाओं ने मुख्यमंत्री के समक्ष गांव की प्राथमिक पाठशाला को अपग्रेड करने की मांग रखी। मुख्यमंत्री ने मौके पर ही तुरंत गांव की प्राथमिक पाठशाला को अपग्रेड करने की घोषणा की।

# केंद्र शासित प्रदेश में 48 घंटों के भीतर दो मुठभेड़ में छह आतंकवादियों को मार गिराया गया

एजेंसी

**पुलवामा।** पुलवामा के उपजिला अवंतीपोरा के त्राल इलाके के नादर में गुरुवार को आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच हुई मुठभेड़ में जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के तीन आतंकवादी मारे गए हैं। मारे गए तीनों आतंकवादी जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले के निवासी हैं। क्षेत्र में फिलहाल तलाशी अभियान जारी है। केंद्र शासित प्रदेश में 48 घंटों के भीतर दो मुठभेड़ में छह आतंकवादियों को मार गिराया गया है। अधिकारियों ने बताया कि मारे गए तीनों आतंकवादियों की पहचान पुलवामा जिले के निवासी आसिफ अहमद शेख, आमिर नजीर वानी और यावर अहमद भट के रूप में हुई है। श्रीनगर स्थित सेना की 15वीं कोर के मुताबिक 15 मई को अंतरराष्ट्रीय एजेंसी से विशेष खुफिया इनपुट के आधार पर भारतीय सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ ने त्राल के नादर में घेराबंदी करते हुए तलाशी अभियान शुरू किया था। सतर्क सैनिकों के चुनौती दिए जाने पर आतंकवादियों ने गोलीबारी की, जिसके बाद दोनों ओर से भीषण गोलीबारी शुरू हो गई। आईजीपी कश्मीर वीके बिरदी ने पत्रकारों को

बताया कि मुठभेड़ स्थल पर मलबे के पास तीन शव देखे गए हैं। ऑपरेशन अभी भी जारी है, इलाके को साफ करने में कुछ समय लगेगा।

उन्होंने कहा कि यह सक्रिय आतंकवादी तंत्र को नष्ट करने का एक व्यापक प्रयास है। उन्होंने बताया कि आज की मुठभेड़ शोपियां जिले के केलर इलाके में लश्कर-ए-तैयबा के तीन आतंकवादियों को मार गिराने के दो दिन बाद हुई है। मंगलवार को मारे गए तीन आतंकवादियों में से दो की पहचान शोपियां निवासी शाहिद कुट्टे और अदनान शफी के रूप में हुई थी। 2023 में लश्कर में शामिल हुआ कुट्टे पिछले साल 8 अप्रैल को डेनिश रिसॉर्ट में गोलीबारी की घटना में शामिल था, जिसमें दो जर्मन पर्यटक और एक ड्राइवर घायल हो गए थे। पुलिस के मुताबिक वह पिछले साल मई में शोपियां के हीरपोरा में भाजपा सरपंच की हत्या में भी शामिल था। 2024 में आतंकी समूह में शामिल होने वाला अदनान शफी शोपियां जिले के वाची में एक गैर-स्थानीय मजदूर की हत्या में शामिल था। केंद्र शासित प्रदेश में 48 घंटों के भीतर दो मुठभेड़ में छह आतंकवादियों को मार गिराया गया है।

## डॉ अजय कुमार ने यूपीएससी अध्यक्ष का पद संभाला

एजेंसी

**नई दिल्ली ।** रक्षा मंत्रालय के पूर्व सचिव डॉ. अजय कुमार ने आज संघ लोक सेवा आयोग-यूपीएससी के अध्यक्ष पद के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। आयोग के सबसे वरिष्ठ सदस्य सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल राज शुक्ला ने उन्हें शपथ दिलाई। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान आईआईटी कानपुर से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में बीटेक करने के बाद डॉ. अजय कुमार ने अमेरिका के मिनेसोटा विश्वविद्यालय से एप्लाइड इकोनॉमिक्स में एमएस और मिनेसोटा विश्वविद्यालय के कार्लसन स्कूल ऑफ मैनेजमेंट से बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में पीएचडी की है। उन्हें 2019 में एमिटी यूनिवर्सिटी द्वारा डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी की मानद उपाधि भी प्रदान की गई थी। डॉ. कुमार भारतीय प्रशासनिक सेवा-आईएएस के 1985 बैच के केरल कैडर के अधिकारी हैं। तीन दशक से अधिक के अपने करियर के दौरान उन्होंने केरल सरकार के साथ-साथ केंद्र में भी महत्वपूर्ण पदों पर काम किया। केरल में उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के प्रबंध निदेशक तथा सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के प्रधान सचिव पद पर काम किया जबकि केंद्र सरकार में विज्ञान और प्रौद्योगिकी निदेशक, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के संयुक्त सचिव, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र के महानिदेशक, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अपर सचिव, रक्षा उत्पादन सचिव जैसे महत्वपूर्ण विभागों को संभाला।

## मप्र के मंत्री पर भाजपा के एक्शन का इंतजार: मायावती

**लखनऊ।** बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने गुरुवार को कहा कि कर्नल सोफिया के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करने वाले मध्यप्रदेश के मंत्री पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से एक्शन की पूरे देश को प्रतीक्षा है। सुश्री मायावती ने एक्स पर पोस्ट किया पहलगाम हत्याकाण्ड के बाद पाकिस्तान में आतंकियों के विरुद्ध सेना के आपरेशन सिंदूर की नायिका मुस्लिम महिला कर्नल को लेकर अभद्र टिप्पणी करने वाले मध्यप्रदेश के मंत्री के खिलाफ हाईकोर्ट की सख्ती के बाद कल देर रात दर्ज एफआईआर उचित, किन्तु भाजपा की ओर से एक्शन की देश को प्रतीक्षा।

उन्होने कहा देश में साम्प्रदायिक व जातिवादी द्वेष, नफरत, हिंसा व तनाव फैलाने वालों के खिलाफ, कोर्ट से पहले, राज्य सरकारों को बिना भेदभाव कार्रवाई करके अपराध नियंत्रण व कानून-व्यवस्था की संवैधानिक जिम्मेदारी निभाना जरूरी, वरना अपेक्षित विकास बाधित होता रहेगा, जो जन व देशहित में सही नहीं।

## हरदोई में सड़क हादसे में छह मरे,तीन घायल

**हरदोई ।** उत्तर प्रदेश में हरदोई जिले के संडीला क्षेत्र में गुरुवार सुबह ट्रक की चपेट में आकर आटो रिक्शा सवार छह लोगों की मृत्यु हो गयी जबकि तीन अन्य गंभीर रुप से घायल हो गये। पुलिस सूत्रों ने बताया कि कासिमपुर के ग्राम औरामऊ के रहने वाले रंजीत सीएनजी आटो चलाते थे। गुरुवार की सुबह रंजीत कासिमपुर से सवारियां लेकर संडीला जा रहे थे। ऑटो में 10 सवारियां थीं। रास्ते में संडीला-बांगरमऊ मार्ग पर हरदलमऊ गांव के पास सामने से आ तेज़ रफ़्तार ट्रक से भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि आटो के कई बार पलटने के बाद उसके परखच्चे उड़ गए। इस हादसे में आटो चालक रंजीत के अलावा कासिमपुर के ग्राम मल्हनखेड़ा के अरविंद, कछौना के ग्राम बहदिन के अंकित, उन्नाव के बेहटा मुजावर की फूलजहां समेत छह लोगों की मौत हो गई। तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद चालक ट्रक लेकर फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को एंबुलेंस से संडीला सीएचसी में भर्ती कराया। वहीं ऑटो में क्षमता से अधिक सवारियां थी। रफ्तार अधिक होने के सामने से ट्रक आता देखकर चालक संतुलन खो बैठा,आमने-सामने भिड़ंत होने से बड़ा हादसा हो गया। सीओ संडीला सत्येंद्र सिंह ने बताया कि किस वाहन से हादसा हुआ है। चार मृतकों की पहचान होने पर घरवालों को जानकारी दी है। जबकि दो व्यक्तियों की पहचान का प्रयास किया जा रहा है।

## नगर निगम ग्रेटर का बिना लाइसेंस मीट दुकानों पर छापा, कच्चा मीट और मुर्गे जब्त, 8 दुकानें सीज

**जयपुर।** नगर निगम ग्रेटर आयुक्त रूकमणि रियाड़ के निर्देश पर सांगानेर क्षेत्र के रामपुरा रोड और NRI सर्किल पर बड़ी कार्रवाई करते हुए कई अवैध मीट दुकानों पर छापा मारा। यह कार्रवाई निगम की पशु प्रबंधन शाखा और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम द्वारा की गई। टीम ने मौके से 350 से 400 किलोग्राम कच्चा मीट (मास) जब्त किया और 80 से 90 जिंदा मुर्गे भी दुकानों से बरामद किए गए। नगर निगम ग्रेटर द्वारा 8000 रुपए का कैरिंग चार्ज वसूला गया साथ ही 8 दुकानों को सीज कर दिया गया, क्योंकि वे बिना लाइसेंस के संचालन कर रही थीं और नियमों का उल्लंघन कर रही थीं। नगर निगम अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई लोगों की स्वास्थ्य सुरक्षा, साफ-सफाई बनाए रखने और खाद्य सुरक्षा कानूनों को लागू करने के लिए की गई है।

# पाकिस्तान जहां खड़ा होता है, वहीं से मांगने वालों की लाइन शुरू होती है : राजनाथ सिंह

एजेंसी

**श्रीनगर ।** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान के अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से कर्ज लेने पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान जहां खड़ा होता है, वहीं से मांगने वालों की लाइन शुरू हो जाती है। भारत आज उन देशों की श्रेणी में है, जो आईएमएफ को फंड देते हैं, ताकि आईएमएफ गरीब देशों को कर्ज दे सके। दरअसल, पाकिस्तान की हालत बीते कई सालों से इतनी बुरी हो चुकी है कि वह पहले से ही विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की मेहरबानी पर चल रहा है। इसी बीच, 'ऑपरेशन सिंदूर' की शानदार सफलता के बाद पहली बार रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह गुरुवार को श्रीनगर पहुंचे। जहां उनके साथ, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बादामी बाग छावनी में जवानों से मुलाकात की और उनसे बातचीत भी की। रक्षा मंत्री ने जवानों को संबोधित किया और 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर भारतीय सेना की प्रशंसा की।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए कहा, रही बात पाकिस्तान की, तो उसकी मैं बात ही क्या करूं आपसे। वह देश तो, मांगते-मांगते अपनी जहालत से एक ऐसी हालत में आ गया है कि उसके बारे में यह भी कहा जा सकता है कि पाकिस्तान जहां खड़ा होता है, वहीं से मांगने वालों की लाइन प्रारंभ हो जाती है। अभी आपने सुना ही होगा कि कैसे वह फिर एक बार आईएमएफ के पास कर्ज मांगने गया। जबकि, दूसरी तरफ हमारा देश है। हम आज उन देशों की श्रेणी में आते हैं, जो आईएमएफ को फंड देते हैं, ताकि आईएमएफ गरीब देशों को कर्ज दे सके। उन्होंने कहा कि भारत के बारे में पूरी दुनिया यह बात जानती है कि हमने हमेशा शांति को प्राथमिकता दी है। हम आमतौर पर युद्ध के समर्थक कभी नहीं रहे, लेकिन स्थितियां जब इतनी विकट हो जाएं, जब देश की संप्रभुता पर आक्रमण हो, तो जवाब देना आवश्यक हो जाता है। पूरे देश में हमारी सेनाओं को और हमारे सैनिकों को, एक सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है। एक सशक्त राष्ट्र वही होता है, जो अपनी सेनाओं को सम्मान के साथ-साथ आधुनिक हथियार और साजो-सामान भी दे, जिसकी उसे जरूरत है। मुझे गर्व है कि आज सरकार, हमारी सेनाओं के लिए यह सब कर रही है। उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' की कामयाबी ने पाकिस्तान में छिपे आतंकी संगठनों और उनके आकाओं को भी यह साफ बता दिया है कि वो कहीं भी अपने आप को महफूज और सुरक्षित न समझें। अब वे भारतीय सेनाओं के निशाने पर हैं। दुनिया जानती है, हमारी सेनाओं का निशाना अचूक है और जब वो निशाना लगाते हैं।

## कांग्रेस की लड़ाई भाजपा की मानसिकता के खिलाफ है : दिग्विजय सिंह

एजेंसी

**इंदौर/भोपाल ।** कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने मोहन यादव सरकार के मंत्री विजय शाह के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं किए जाने पर भाजपा पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा विजय शाह को बचाने में लगी हुई है। उन्होंने इंदौर में संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा कि विजय शाह के बयान पर जो कार्रवाई भारतीय जनता पार्टी को करनी चाहिए थी, वह कार्रवाई उच्च न्यायालय ने की है। भाजपा ने अब तक किसी तरह का बयान नहीं दिया है और कार्रवाई नहीं की है। भाजपा पूरी तरह उन्हें बचाने में लगी हुई है। कांग्रेस की लड़ाई भारतीय जनता पार्टी की इसी मानसिकता के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा इस बयान को सही मानते हैं। अगर सही मानते हैं तो कार्रवाई करें, नहीं तो स्वीकार कर लीजिए, जो उन्होंने कहा वह ठीक किया, इसका निर्णय उन्हें करना चाहिए। दूसरी तरफ, कांग्रेस की मध्य प्रदेश इकाई के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भारतीय जनता पार्टी से मंत्री विजय शाह का इस्तीफा लेने की मांग की है। देशभक्त राजनीतिक दल,

देशभक्त सामाजिक कार्यकर्ता, देशभक्त अधिवक्ता को उनका विरोध करना चाहिए। भारतीय जनता पार्टी को शाह को बचाने की बजाय उनका इस्तीफा लेना चाहिए और उदाहरण पेश करना चाहिए। पटवारी ने कहा कि जो राजनीतिक व्यक्ति लगातार अनर्गल बयान देता है और उन्हें सजा नहीं मिलती है ।

# लखनऊ में डबल डेकर बस में लगी आग: पांच यात्रियों की मौत, सीएम योगी ने जताया दुख

एजेंसी

**लखनऊ ।** उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में गुरुवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में पांच यात्रियों की बस में जलकर मौत हो गई। डबल डेकर बस पटना से दिल्ली आ रही थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस हादसे पर दुख जताते हुए अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए हैं। मामला मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के किसान पथ का है। बताया जा रहा है कि यात्रियों से भरी डबल डेकर बस पटना से दिल्ली जा रही थी, तभी लखनऊ के किसान पथ पर पहुंचते ही बस में अचानक आग लग गई। बस में कई यात्री सवार थे और धुआं भरने के बाद अफरा-तफरी मच गई। बताया जा रहा है कि बस में सवार कई यात्री किसी तरह बस से कूद गए, लेकिन इस हादसे में पांच यात्रियों की जलकर मौत हो गई। सभी लोग कामकाज के लिए दिल्ली जा रहे थे। वहीं, घटना की जानकारी मिलने के बाद दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंची और उन्होंने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। साथ ही, पुलिस ने

शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। इसके अलावा, घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

इस बीच, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर दुख जताया। उन्होंने अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर राहत कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया है। यूपी सीएम कार्यालय ने एक्स पर एक पोस्ट शेयर कर लिखा, सीएम योगी आदित्यनाथ ने जनपद लखनऊ में बस में आग लगने के हादसे में हुई जनहानि पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री योगी ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर राहत कार्य में तेजी लाने और घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर उनके समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं। साथ ही, घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की है।

## कश्मीर में कोई तीसरा पक्ष नहीं आ सकता, यह भारत का पुराना स्टैंड : उपेंद्र कुशवाहा

एजेंसी

**पटना।** राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रमुख और पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के मामले पर कोई तीसरा पक्ष नहीं आ सकता है। भारत का यह पुराना स्टैंड है। इसमें अभी भी कोई बदलाव नहीं है। भारत-पाकिस्तान के बीच कोई तीसरा पक्ष नहीं आ सकता है। यह दोनों देशों का मामला है। किसी के कहने से कुछ नहीं होता। उन्होंने पटना में पत्रकारों से बातचीत करते हुए भाजपा और कांग्रेस के 'तिरंगा यात्रा' निकाले जाने को लेकर कहा कि सेना के सम्मान में अगर कोई कार्यक्रम करता है तो उसमें दिक्कत क्या है, लेकिन राजनीतिक लाभ को लेकर अगर कांग्रेस इसे मुद्दा बना रही है तो यह गलत है। उन्होंने राहुल गांधी के बिहार दौरे पर कहा कि चुनाव का समय है, सभी लोग आएंगे-जाएंगे। इस पर कोई नोटिस लेने की जरूरत नहीं है। दरभंगा प्रशासन द्वारा राहुल गांधी के संवाद कार्यक्रम को अनुमति

नहीं दिए जाने को लेकर उन्होंने कहा कि उन्हें इसकी जानकारी नहीं है। मध्य प्रदेश के मंत्री कुंवर विजय शाह द्वारा कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर की गई एक टिप्पणी पर पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि यह आपत्तिजनक टिप्पणी है और इस तरह की टिप्पणी के लिए कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसी टिप्पणी कोई भी करे, यह ठीक नहीं है। एक तरह से देश का अपमान है, ऐसे लोगों पर कार्रवाई की जानी चाहिए। उल्लेखनीय है कि सोमवार को मध्य प्रदेश के इंदौर जिले के एक ग्रामीण क्षेत्र में सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान मंत्री विजय शाह ने कुरैशी का नाम लिए बिना विवादित बयान दिया था। हालांकि, विवाद बढ़ने के बाद मध्य प्रदेश सरकार में मंत्री कुंवर विजय शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर वीडियो जारी कर कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ अपनी विवादित टिप्पणी के लिए माफी मांगी।

## भारतीय सेना के अदम्य साहस से देश गौरवान्वित - सीएम भजनलाल शर्मा

एजेंसी

**जयपुर ।** ऑपरेशन सिंदूर की सफलता और सेना के शौर्य सम्मान में गुरुवार को अल्बर्ट हॉल से तिरंगा यात्रा निकाली गई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा इस गौरवमयी यात्रा में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना ने आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर आंतकवाद के खिलाफ कड़ा संदेश दिया है। शर्मा ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर प्रदेशवासियों की ओर से देश के वीर सैनिकों को नमन किया। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना ने अदम्य साहस और बहादुरी का परिचय देते हुए पहलगाम हमले की जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान में चिन्हित आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। भारतीय सेना पर देश के प्रत्येक व्यक्ति को गर्व है। वीर सशस्त्र बलों ने संयम और पराक्रम का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया

है। शर्मा ने कहा कि पहलगाम हमले के बाद प्रधानमंत्री ने भारतीय सेना को जवाबी कार्यवाही के लिए पूरी छूट दी और भारतीय सेना ने भी साहस दिखाते हुए आंतकी अड्डों को समाप्त कर पाकिस्तान को सबक सिखाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के निर्भीक और निर्णायक निर्णयों तथा सेना के शौर्य के कारण देश को आंतकवाद के खिलाफ बड़ी सफलता मिली। मुख्यमंत्री ने कहा कि सैनिकों की अदम्य वीरता के कारण मिली ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर पूरे देशभर में तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है। राजस्थान में भी हर गांव, शहर और हर विधानसभा क्षेत्र में तिरंगा यात्रा निकालकर सैनिकों को सम्मान दिया जा रहा है। इससे पहले मुख्यमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर में दुश्मन से लोहा लेते हुए वीरगति को प्राप्त होने वाले पराक्रमी सैनिकों को नमन कर श्रद्धा-सुमन अर्पित किए।

# बिहार पुलिस ने मुझे रोकने की कोशिश की, जनता की शक्ति के आगे हुई बेबस : राहुल गांधी

एजेंसी

**पटना/दरभंगा।** कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बिहार के दरभंगा में अंबेडकर छात्रावास के छात्रों को 'शिक्षा न्याय संवाद' कार्यक्रम में संबोधित किया। प्रशासन ने इस कार्यक्रम की अनुमति नहीं दी थी, लेकिन कांग्रेस नेता वहां पहुंचे और छात्रों से संवाद किया। उन्होंने इस मौके पर कहा कि बिहार की पुलिस ने मुझे रोकने की कोशिश की लेकिन मुझे नहीं रोक पाई, क्योंकि आप सभी की शक्ति मेरे पीछे है। राहुल गांधी ने

आरोप लगाया कि बिहार सरकार उनको दरभंगा में छात्रों से संवाद करने से रोक रही है, लेकिन वह पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार सामाजिक न्याय की स्थिति को छुपाना चाहती है। मुझे अंबेडकर हॉस्टल में दलित और पिछड़े छात्रों से बातचीत करने से रोक रही है। संवाद कब से अपराध हो गया? नीतीश जी? आप किस बात से डर रहे हैं? क्या बिहार में शिक्षा और सामाजिक न्याय की स्थिति छुपाना चाहते हैं? राहुल गांधी ने कहा कि उनके कारण ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में जाति जनगणना कराने का फैसला लिया है। हमने पीएम मोदी से कहा कि आपको जाति जनगणना करानी होगी, वे लोकतंत्र, संविधान और जाति जनगणना के खिलाफ हैं, लेकिन आखिरकार एनडीए सरकार को कास्ट सेंसस पर फैसला लेना पड़ा। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि आप सभी छात्रों और युवाओं को एक साथ खड़ा होना है। देश में दलितों, पिछड़ों, अतिपिछड़ों और आदिवासियों के साथ अन्याय होता है।

## नक्सली मुठभेड़ में घायल जवानों से मिलने AIIMS पहुंचे अमित शाह, ट्रॉमा सेंटर में घायलों से मुलाकात कर जाना हालचाल

एजेंसी

**नई दिल्ली।** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज बृहस्पतिवार को राजधानी दिल्ली स्थित एम्स ट्रॉमा सेंटर पहुंचे और यहां नक्सली मुठभेड़ में घायल जवानों मिलकर उनका हालचाल जाना। इस दौरान पीड़ित परिवारों से भी बातचीत की और जवानों के जल्द से जल्द स्वस्थ होने की कामना की।

बता दें कि एम्स के ट्रॉमा सेंटर में नक्सली हमले में घायल सीआरपीएफ के 204 कोबरा बटालियन के सहायक कमांडेंट सागर बोराडे भर्ती हैं। इसके अलावा वह पहलगाम हमले में घायल हुए डॉ. ए परमेश्वरन से भी मिले। डॉ. ए परमेश्वरन के स्वास्थ्य में अब सुधार है और वह अब चल पा रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि सुरक्षा बलों ने बीते दिन छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा के कुर्रुगुट्टालू पहाड़ पर 31 नक्सलियों को ढेर कर दिया था। इस पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सुरक्षा बलों को बधाई दी। वहीं, 22 अप्रैल दिन मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले में 26 पर्यटक मारे गए थे और कई घायल हुए थे।

## राष्ट्रीय महिला आयोग 16 मई को मेरठ में करेगा जन सुनवाई का आयोजन

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा 16 मई को मेरठ में जन सुनवाई की जाएगी। यह जन सुनवाई प्रातः 11:00 बजे से विकास भवन के सभागार सिविल लाइन्स मे आयोजित की जाएगी, जिसमें राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर उपस्थित रहेंगी। राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा आयोजित इस जन सुनवाई में जिला मजिस्ट्रेट, पुलिस अधीक्षक एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारिगण भी शामिल होंगे, जिससे महिलाओं से संबंधित मुद्दों का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा सके। महिला आयोग ने जानकारी दी कि महिलाओं के सशक्तिकरण एवं उनके विषयों को जमीनी स्तर पर समाधान करने की दिशा में राष्ट्रीय महिला आयोग- आपके द्वार नामक एक जन सुनवाई का आयोजन कर रहा है। इसका उद्देश्य महिलाओं से संबंधित लंबित मामलों का जल्द से जल्द समाधान करना है।राष्ट्रीय महिला आयोग ने मेरठ की महिलाओं से अपील की कि वह इस जन सुनवाई में भाग लेकर अपनी समस्या आयोग तक पहुंचा सकती हैं। सुनवाई मे भाग लेने के लिए संबंधित अधिकारी से मोबाइल नंबर 8219854762 पर संपर्क किया जा सकता है।

## एस जयशंकर की ऑस्ट्रियाई विदेश मंत्री से फोन पर बात, आतंकवाद के मुद्दे पर हुई चर्चा

**नई दिल्ली ।** भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ऑस्ट्रियाई विदेश मंत्री बियाटे मींल-रेसिंगर से टेलीफोन पर बातचीत की। दोनों नेताओं के बीच आतंकवाद के मुद्दे को लेकर चर्चा हुई। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ऑस्ट्रियाई विदेश मंत्री से बातचीत की जानकारी दी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'ऑस्ट्रियाई विदेश मंत्री के साथ आज हुई बातचीत की सराहना करता हूं। उनकी नियुक्ति पर बधाई दी। आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस और न्यूक्लियर ब्लैकमेल के दृढ़ विरोध पर सहमति हुई। हमारे बेहतरीन द्विपक्षीय संबंधों और यूक्रेन संघर्ष पर चर्चा हुई।' वहीं, ऑस्ट्रियाई विदेश मंत्री ने इस बातचीत को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ फोन पर अच्छी बातचीत हुई। ऑस्ट्रिया और भारत अपने मजबूत द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मैंने पहलगाम में हुए आतंकी हमले की ऑस्ट्रिया की निंदा दोहराई और तनाव कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में पाकिस्तान के साथ सीजफायर का स्वागत किया।'

## कांग्रेस के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा से ज्यादा राजनीतिक स्वार्थ महत्वपूर्ण है : मुख्तार अब्बास नकवी

**नई दिल्ली ।** पाकिस्तान में आतंक के खिलाफ चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' पर कांग्रेस की ओर से उठाए गए सवाल पर भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने पार्टी की आलोचना की। उन्होंने कहा कि ऐसे सवाल कांग्रेस की आदत बन चुकी है। कुछ लोगों की कंट्री की विक्ट्री पर भी कंफ्यूजन की स्थिति पैदा करने की साजिश सिंडिकेट के समर्थन में है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कंट्री की विक्ट्री पर कन्फ्यूजन केमिस्ट्री पैदाकर किस प्रकार का सियासी लाभ लेने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा से ज्यादा राजनीतिक स्वार्थ महत्वपूर्ण है। समाचार एजेंसी से बातचीत के दौरान भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने कांग्रेस पार्टी को घेरा। उन्होंने कहा कि 1999 के कारगिल की जंग में सोनिया गांधी ने तमाम तरह के सवाल पूछे थे, दुष्प्रचार शुरू कर दिया गया था। जब सर्जिकल स्ट्राइक हुआ तब भी यही हुआ और अभी भी वही चीज दोहरा रहे हैं। रंग में भंग डालने का जो रिवाज और मिजाज है, वह कोई देशवासी स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि जब-जब भारतीय सेना देश के दुश्मनों को तबाह करती है, आतंक के ठिकानों को ध्वस्त करती है, तब आप सेना को हौसला देने के बजाय सवाल और सबूत की जुगलबंदी शुरू कर देते हैं। आम आदमी पार्टी (आप) की नेता आतिशी के निंदा प्रस्ताव लाने के बयान पर उन्होंने कहा कि हमें सुरक्षा बलों और सरकार पर पूरा यकीन करना चाहिए। जो इस तरह की साजिश में भागीदार बने हुए हैं, उनको हमें अस्वीकार करना होगा, क्योंकि ऐसे संवेदनशील मुद्दे पर भी 'आप' सियासी चक्र की रचना में लगे हैं।

## 'हाईकोर्ट के कई न्यायाधीश लेते हैं अनावश्यक ब्रेक', झारखंड से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

**नई दिल्ली ।** सर्वोच्च न्यायालय ने आजीवन कारावास की सजा के मामले में झारखंड के चार लोगों की याचिका पर सुनवाई करते हुए उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों की कार्यशैली पर तल्ख टिप्पणी की। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एनके सिंह की खंडपीठ ने उच्च न्यायालयों में मुकदमों की सुनवाई पूरी होने के बाद भी लंबे समय तक फैसला सुरक्षित रखने पर चिंता जताते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि जजों के परफॉर्मेंस का भी ऑडिट हो। खंडपीठ ने कहा, 'कुछ न्यायाधीश बहुत परिश्रम करते हैं, लेकिन कुछ न्यायाधीश बार-बार अनावश्यक ब्रेक लेते हैं। कभी कॉफी ब्रेक, कभी लंच ब्रेक तो कभी कोई और ब्रेक। वे लगातार लंच ब्रेक तक क्यों काम नहीं करते? हम हाईकोर्ट के जजों को लेकर कई शिकायतें सुन रहे हैं। यह एक ऐसा मुद्दा है, जिसे गंभीरता से देखने की आवश्यकता है। हम कैसा परफॉर्मेंस कर रहे हैं और हमारा न्यायिक आउटपुट क्या है, इसका मूल्यांकन जरूरी है। अब समय आ गया है कि परफॉर्मेंस-ऑडिट हो।

## एम्स में होगा गामा थेरेपी से आँखों के कैंसर का इलाज

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** छोटे बच्चों की आंख में कैंसर होने यानी रेटिनोब्लास्टोमा के मामले दुनिया में तेजी से बढ़ रहे हैं जिसके चलते प्रतिवर्ष लाखों बच्चे अपनी आंख गंवा रहे हैं। लेकिन रेटिनोब्लास्टोमा का उपचार अब अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान यानि एम्स में संभव है। एम्स के न्यूरोसर्जन डॉ दीपक अग्रवाल ने बताया, हाल ही में दो बच्चों की सर्जरी गामा नाइफ से की गई है। इसमें कैंसर प्रभावित ट्यूमर या घाव को विकिरण से लक्षित किया जाता है जो कैंसर सेल को नष्ट कर देता है। इसमें चीरा लगाने की आवश्यकता नहीं होती है, जिससे संक्रमण और रक्तस्राव का जोखिम कम होता है।

रेटिनोब्लास्टोमा जागरूकता माह के दौरान एम्स के एक सेमिनार में डॉ भावना चावला, डॉ शैलेश गायकवाड़, डॉ दीपक अग्रवाल, डॉ रीमा दादा और डॉ रचना सेठ मौजूद रहे। डॉ चावला ने बताया कि यह एक दुर्लभ प्रकार का नेत्र कैंसर है जो तीन से पांच वर्ष आयु तक के बच्चों में

पाया जाता है। इसके मुख्य लक्षणों में पुतली में सफेद चमक (ल्यूकोकोरिया), भेंगापन (आंखों का टेढ़ापन) और आंख में लाली या दर्द होना शामिल हैं। इस रोग की वृद्धि का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि सिर्फ एम्स दिल्ली में ही 350 से ज्यादा बच्चे इलाज के लिए प्रतिवर्ष लाए जाते हैं। डॉ चावला ने बताया कि इससे पीड़ित बच्चे की आंख में ट्यूमर पनपने लगता है जिसकी वजह से बच्चे की आंख बाहर की ओर निकली हुई दिखाई देती है। बच्चा सीधे सामने की ओर देखने में सक्षम नहीं होता है और उसकी नजर भी कमजोर हो जाती है। अगर यह कैंसर आंख के साथ दिमाग में भी चला जाता है तो बच्चे को सिरदर्द, भूख न लगना, उल्टी होना आदि अन्य लक्षण हो सकते हैं, ऐसे में उपचार कठिन हो जाता है। अगर रेटिनोब्लास्टोमा का असर आंख तक है तो सर्जरी, कीमोथेरेपी और रेडिएशन से इलाज 100 प्रतिशत संभव है लेकिन इस दौरान बच्चे की आंख निकालनी पड़ती है। एम्स के अनुवांशिक विज्ञान विशेषज्ञ डॉ रीमा दादा ने बताया कि छोटे बच्चों की आंखों से रोशनी छीन लेने वाले रेटिनोब्लास्टोमा के पीछे दो कारण हैं। एक है अनुवांशिक और दूसरा गैर अनुवांशिक। अनुवांशिक यानि पीढ़ी दर पीढ़ी रोग की एक बड़ी वजह पिता के शुक्राणु की गुणवत्ता में खराबी होना जो शराब, तंबाकू और सेलफोन के इस्तेमाल से होती है। इसके अलावा बड़ी उम्र (35-40 वर्ष) में शादी करना भी एक वजह है।

## पूर्व रक्षा सचिव अजय कुमार यूपीएससी के नए अध्यक्ष नियुक्त

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** पूर्व रक्षा सचिव डॉ. अजय कुमार को संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने उनकी नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। केरल कैडर के 1985 बैच के सेवानिवृत्त भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी अजय कुमार ने पूर्व केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव और 1983 बैच की आईएएस अधिकारी प्रीति सूदन का स्थान लिया है। सूदन का कार्यकाल 29 अप्रैल को समाप्त हो गया था। केंद्रीय कार्मिक मंत्रालय द्वारा जारी एक आदेश में कहा गया है कि राष्ट्रपति भारत के संविधान के अनुच्छेद 316(1) के तहत डॉ. अजय कुमार को संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त करती हैं। इसमें आगे कहा गया है कि यूपीएससी के अध्यक्ष के रूप में डॉ. अजय कुमार का कार्यकाल पदभार ग्रहण करने की

तिथि से शुरू होगा। उनकी नियुक्ति की अवधि भारत के संविधान के अनुच्छेद 316(2) के प्रावधानों के अनुसार विनियमित होगी और सेवा की शर्तें समय-समय पर संशोधित यूपीएससी (सदस्य) विनियम, 1969 द्वारा शासित होंगी।

## समावेशी भारत शिखर सम्मेलन आयोजित करेगा सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के तहत दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग वैश्विक सुगम्यता जागरूकता दिवस के अवसर पर 'समावेशी भारत शिखर सम्मेलन' आयोजित करेगा। यह शिखर सम्मेलन इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में भौतिक और आभासी दोनों तरह से हाइब्रिड मोड में आयोजित किया जाएगा। यह दिवस दुनिया भर में दिव्यांग व्यक्तियों के लिए डिजिटल पहुंच और समावेशन के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए समर्पित है। यह दिवस हर साल मई के तीसरे गुरुवार को मनाया जाता है। केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय की तरफ से जारी की गई जानकारी में बताया गया है कि यह सम्मेलन एसबीआई फाउंडेशन और नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड (एनएबी) के साथ साझेदारी में आयोजित किया जा रहा है।एसोसिएशन ऑफ पीपल विद डिसेबिलिटी (एपीडी) और मिशन एक्सेसिबिलिटी (धनंजय संजोगता फाउंडेशन) की तरफ से इसमें सहयोग किया जा रहा है।शिखर सम्मेलन का उद्देश्य देश में समावेशी विकास और डिजिटल पहुंच को बढ़ावा देना है, साथ ही विकलांग व्यक्तियों के लिए समान अवसर और सुलभ वातावरण सुनिश्चित करने के लिए सरकार, उद्योग, शिक्षा, नागरिक समाज और दिव्यांग समुदाय के बीच सहयोग को मजबूत करना है। दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के सचिव राजेश अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। शिखर सम्मेलन का मुख्य आकर्षण डिजिटल सुलभता पर पैनल चर्चा होगी, जहां विशेषज्ञ

MINISTRY OF SOCIAL JUSTICE AND EMPOWERMENT
सत्यमेव जयते

दिव्यांग व्यक्तियों के लिए प्रौद्योगिकियों और उत्पादों को अधिक समावेशी और सुलभ बनाने के व्यावहारिक उपायों पर चर्चा करेंगे। इस अवसर पर, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग आई फॉर ह्यूमैनिटी फाउंडेशन, निपमैन फाउंडेशन, यंग लीडर्स फॉर एक्टिव सिटिजनशिप (वाईएलएसी) और रैम्पमाइसिटी फाउंडेशन सहित कई संगठनों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करेगा।

## ऑपरेशन सिंदूर में दिखा स्वदेशी हथियारों का दम, भारत की आत्मनिर्भरता बढ़ी

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद को खत्म करने के लिए चलाये गए 'ऑपरेशन सिंदूर' में भारत ने स्वदेशी हथियारों का दम दिखाया है। भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान को चीन से आपूर्ति की गई वायु रक्षा प्रणालियों को जाम करके महज 23 मिनट में मिशन पूरा किया, जिससे भारत की बढ़ती स्वदेशी तकनीक का प्रदर्शन हुआ। नियंत्रण रेखा या अंतरराष्ट्रीय सीमा को पार किए बिना भारतीय सेना ने सटीक और रणनीतिक तौर पर आतंकवादी ढांचे पर हमला करके कई खतरों को खत्म कर दिया। इस दौरान ड्रोन युद्ध, लेयर्ड एयर डिफेंस या इलेक्ट्रॉनिक युद्ध में तकनीकी आत्मनिर्भरता भारत के लिए मील का पत्थर साबित हुई है।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद पुलिस का सर्च ऑपरेशन, बांग्लादेशियों व रोहिंग्या पर नजर पाकिस्तान ने 07-08 मई की रात को ड्रोन और मिसाइलों का उपयोग करके अवंतीपुरा, श्रीनगर, जम्मू, पठानकोट, अमृतसर, कपूरथला, जालंधर, लुधियाना, आदमपुर, बठिंडा, चंडीगढ़, नल, फलोदी,

उत्तरलाई और भुज सहित उत्तरी और पश्चिमी भारत में कई सैन्य ठिकानों पर हमला करने का प्रयास किया। जवाब में भारत के एकीकृत काउंटर यूएएस (मानव रहित हवाई प्रणाली) ग्रिड और वायु रक्षा प्रणालियों ने निष्प्रभावी कर दिया।भारतीय सशस्त्र बलों ने 8 मई की सुबह पाकिस्तान के कई स्थानों पर वायु रक्षा रडार और प्रणालियों को निशाना बनाया। लाहौर में एक वायु रक्षा प्रणाली को निष्क्रिय कर दिया गया। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान आकाश जैसी स्वदेशी प्रणाली ने शानदार प्रदर्शन किया। आकाश एक शॉर्ट रेंज सरफेस टू एयर मिसाइल सिस्टम है, जो कमजोर क्षेत्रों और कमजोर बिंदुओं को हवाई हमलों से बचाता है। आकाश हथियार प्रणाली समूह मोड या स्वायत्त मोड में एक साथ कई लक्ष्यों को निशाना बना सकती है। इसमें इलेक्ट्रॉनिक काउंटर-काउंटर मेज़र (ईसीसीएम) सुविधाएं हैं। संपूर्ण हथियार प्रणाली को मोबाइल प्लेटफॉर्म पर कॉन्फ़िगर किया गया है। भारत की वायु रक्षा प्रणाली सेना, नौसेना और मुख्य रूप से वायु सेना के साथ तालमेल में प्रदर्शन करती है। इन प्रणालियों ने एक अभेद्य दीवार बनाई, जिसने पाकिस्तान के कई हमलों को विफल कर दिया।

## पूर्णम कुमार शॉ की रिहाई का राजनीतिक दलों ने किया स्वागत, भाजपा ने जताया प्रधानमंत्री का आभार

**एजेंसी**

**नई दिल्ली ।** पाकिस्तान की कैद से 20 दिन बाद कांस्टेबल पूर्णम कुमार शॉ की रिहाई का राजनीतिक दलों ने स्वागत किया है। भारतीय जनता पार्टी ने विशेष रूप से इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताया है। पाकिस्तान सरकार ने भारत के सीमा सुरक्षा बल के कांस्टेबल पूर्णम कुमार शॉ को वापस भारत भेज दिया। बीएसएफ कांस्टेबल 23 अप्रैल को अपनी ड्यूटी के दौरान गलती से सीमा पार कर गये थे और अबतक पाकिस्तानी रेंजर्स की हिरासत में थे। भारतीय जनता पार्टी के महासचिव तरुण चुघ ने कहा कि एक अत्यंत सुखद क्षण है। इसमें भारत की चमक और धमक साफ झलकती है। यह हमारी वीर सेना के शौर्य और प्रधानमंत्री के सशक्त नेतृत्व का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इसने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मजबूत नेतृत्व को उजागर किया है। साथ ही भारत की प्रतिभा और

शक्ति प्रदर्शित की है। इसने दर्शाया है कि भारत के लिए हर सैनिक कीमती है और भारतीय सेना अपने सैनिकों की रक्षा करना जानती है। पश्चिम बंगाल के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. सुकांत मजूमदार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बीएसएफ जवान पूर्णम कुमार शॉ की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए धन्यवाद दिया। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पाकिस्तान की हिरासत से सीमा सुरक्षा बल के कांस्टेबल पूर्णम कुमार शॉ की रिहाई का स्वागत किया और कहा कि जवान की वापसी सुनिश्चित करने के प्रयासों के दौरान वह लगातार उनके परिवार के संपर्क में थीं।

पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के रिसड़ा के निवासी कांस्टेबल को पाकिस्तान रेंजर्स ने पंजाब में अटारी-वाघा सीमा पर सुबह 10 बजकर 30 मिनट पर बीएसएफ के सुपुर्द किया। उल्लेखनीय है कि पहलगाम आतंकी हमले के एक दिन बाद 23 अप्रैल को पूर्णम कुमार शॉ फिरोजपुर सेक्टर में अभियान संबंधी ड्यूटी करते हुए रात करीब 11 बजकर 50 मिनट पर अनजाने में पाकिस्तान के क्षेत्र में चले गए थे और पाक रेंजर्स ने उन्हें पकड़ लिया था।

## राष्ट्रपति भवन में चेंज ऑफ गार्ड समारोह का समय बदला

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के रस्मी गार्डों की अदला-बदली (चेंज ऑफ गार्ड) का समारोह इस सप्ताहांत से ग्रीष्मकालीन समय पर आयोजित किया जाएगा। राष्ट्रपति भवन ने एक बयान में कहा कि राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में चेंज ऑफ गार्ड समारोह इस` गर्मियों के समय के अनुसार सुबह 7.30 से 8.30 बजे के बीच आयोजित किया जाएगा। इससे पहले यह सुबह 8 से 9 बजे तक होता था। उल्लेखनीय है कि चेंज ऑफ गार्ड समारोह एक पुरानी सैन्य परंपरा है। प्राचीन काल में महलों, किलों और रक्षा प्रतिष्ठानों में गार्ड और संतरी समय-समय पर बदले जाते थे ताकि सैनिकों की एक नई टुकड़ी को कार्यभार संभालने में सक्षम बनाया जा सके। इसी प्रकार राष्ट्रपति के अंगरक्षक भी राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में आयोजित समारोह में गार्ड परिवर्तन करते हैं। तीस मिनट के समारोह में सैनिक अपने सुसज्जित, शक्तिशाली और अच्छी

तरह से तैयार घोड़ों पर सवार होकर सेना के ब्रास बैंड द्वारा बजाई गई धुनों के साथ जयपुर स्तंभ के पीछे से आगे बढ़ते हैं। इसके बाद परेड कमांडर मार्च करता है, जिसके आदेश पर पांचवीं गोरखा राइफल्स (फ्रंटियर फोर्स) की पहली बटालियन के गार्ड मार्च करते हैं। निरीक्षण के बाद, नया गार्ड पुराने गार्ड के साथ स्थिति लेता है और दोनों गार्ड राष्ट्रीय सलामी का आदान-प्रदान करते हैं।

## भारत का लक्ष्य 6-जी नेतृत्व को हासिल करना : चंद्रशेखर पेम्मासानी

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** केंद्रीय दूरसंचार राज्यमंत्री चंद्रशेखर पेम्मासानी ने कहा कि भारत 6-जी पेटेंट दाखिल करने वाले विश्व के शीर्ष छह देशों में शामिल है। हमारा लक्ष्य 6-जी नेतृत्व को हासिल करना है। 111 से अधिक अनुसंधान परियोजनाओं को 300 करोड़ रुपये की मंजूरी राशि के साथ वित्तपोषित किया गया है। केंद्रीय दूरसंचार राज्यमंत्री ने नई दिल्ली में भारत 6-जी 2025 के तीसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन और प्रदर्शनी को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने भारत को प्रौद्योगिकी अपनाने वाले से मानक-निर्धारक बनने वाले देश के रूप में बदलाव पर प्रकाश डाला। साथ ही कहा कि सभी हितधारकों से भारत 6-जी को केवल तकनीकी प्रयास के रूप में नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय मिशन के रूप में देखने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि भारत के 6-जी विजन का लक्ष्य भारत 6-जी अलायंस, 111 से अधिक वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाओं, जापान, सिंगापुर और फिनलैंड के साथ वैश्विक साझेदारी करनी है। साथ ही टेराहर्ट्ज संचार और एआई-नेटिव नेटवर्क में सफलताओं के माध्यम से 2030 तक भारत को वैश्विक 6जी लीडर के रूप में स्थापित करना है। डॉ. दृष्टिकोण की पुष्टि की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत का दृष्टिकोण प्रौद्योगिकी विकसित करना, वैश्विक मानकों को आकार देना और मानवता के लाभ के लिए डिजिटल परिवर्तन का नेतृत्व करना है। उन्होंने

पेम्मासानी ने अगली पीढ़ी की 6-जी प्रौद्योगिकियों के विकास में वैश्विक स्तर पर नेतृत्व करने के भारत के संकल्प पर जोर दिया। दूरसंचार राज्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सुरक्षित, समावेशी और वैश्विक रूप से प्रासंगिक 6-जी प्रणाली के मिशन का समर्थन करने के लिए सरकार की पूर्ण प्रतिबद्धता की पुष्टि की और दोहराया कि भारत के पास वैश्विक 6-जी यात्रा का नेतृत्व करने के लिए आवश्यक पैमाना, नवाचार क्षमता और राजनीतिक इच्छाशक्ति है।

## जेएनयू ने तुर्किये के इनोनू विवि के साथ एमओयू निलंबित किया, राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला दिया

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) ने तुर्किये के इनोनू विश्वविद्यालय के साथ शैक्षणिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) को निलंबित कर दिया। विश्वविद्यालय ने कहा कि यह निर्णय राष्ट्रीय सुरक्षा कारणों से लिया गया है। जेएनयू ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, राष्ट्रीय सुरक्षा कारणों से जेएनयू और इनोनू विश्वविद्यालय, तुर्किये के बीच समझौता ज्ञापन को अगली सूचना तक निलंबित कर दिया गया है। जेएनयू की वेबसाइट के अनुसार दोनों देशों के विश्वविद्यालयों के बीच यह समझौता इस साल फरवरी माह में हुआ था।तीन साल के लिए हुए इस समझौते को 2 फरवरी, 2028 तक जारी रहना था।

## जय हिन्द सभाओं के ज़रिए कांग्रेस प्रधानमंत्री से पूछेगी सवाल

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** कांग्रेस पार्टी ने लोकतांत्रिक जवाबदेही को लेकर देश के 10 से 15 शहरों में 'जय हिन्द' सभायें और रैलियां निकालने की घोषणा की है। इन सभाओं और रैलियों में वरिष्ठ कांग्रेस नेता भाग लेंगे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पाकिस्तान के साथ सीजफायर और अन्य मुद्दों पर सीधे सवाल पूछेंगे। इसी संबंध में 16 मई को राहुल गांधी दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भी सवाल उठाएंगे। कांग्रेस कार्य समिति(सीडब्ल्यूसी) की पार्टी मुख्यालय में अनौपचारिक बैठक हुई। बैठक के बाद पार्टी के संचार महासचिव जयराम रमेश ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दुनियाभर में केवल कश्मीर के मुद्दे पर चर्चा हो रही है और आतंक का कहीं जिक्र नहीं आ रहा है। वहीं ट्रम्प के बयानों को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। इन्हीं मुद्दों पर यह जनसभायें और रैलियां की जायेंगी। राहुल गांधी भी प्रेस कांफ्रेंस में सरकार पर सवाल उठायेंगे।जयराम रमेश ने इस दौरान 'ऑपरेशन सिंदूर' के राजनीतिकरण पर कड़ा ऐतराज़ जताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने इसे कभी राजनीतिक मुद्दा नहीं बनाया। बल्कि सरकार इसपर राजनीति कर रही है। प्रधानमंत्री मोदी 25 मई को केवल एनडीए शासित

राज्यों के मुख्यमंत्रियों से मुलाक़ात कर रहे हैं। उन्होंने पूछा कि कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश, पंजाब और जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्रियों को इस बैठक से बाहर क्यों रखा गया है। सीडब्ल्यूसी की बैठक में एक प्रस्ताव पारित किया गया है। इसमें पहलगाम हमले में शहीद हुए सैनिकों और पुंछ में मारे गए नागरिकों को श्रद्धांजलि दी गई। प्रस्ताव में सरकार से मांग की गई कि खुफिया चूक पर जवाबदेही तय की जाए। पार्टी ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के युद्धविराम पर दिए बयान पर सरकार की चुप्पी को अस्वीकार्य बताया। कांग्रेस ने दोहराया कि राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे मुद्दे पर अमेरिकी दखल से भारत की स्थिति कमज़ोर होती है। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी से तत्काल सर्वदलीय बैठक बुलाने और संसद का विशेष सत्र आहूत करने की मांग को दोहराया। जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री विपक्ष से संवाद नहीं कर रहे हैं। वे खत का जवाब नहीं दे रहे हैं। ऐसी चुप्पी लोकतंत्र के लिए उचित नहीं है। कांग्रेस ने कहा कि देश को जवाब चाहिए, बहाने नहीं।

## चुनाव आयोग ने बिहार, हरियाणा और दिल्ली के 371 चुनाव अधिकारियों की ट्रेनिंग की शुरू

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने नई दिल्ली स्थित भारतीय अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र एवं चुनाव प्रबंधन संस्थान (आईआईआईडीईएम) में हरियाणा और दिल्ली के बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ), बीएलओ पर्यवेक्षकों, निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) के लिए दो दिवसीय क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कुल 371 जमीनी स्तर के चुनाव अधिकारी (बिहार से 306 बीएलओ, हरियाणा से 30 ईआरओ और बीएलओ पर्यवेक्षक, दिल्ली के एनसीटी से 35 ईआरओ और बीएलओ पर्यवेक्षक) प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं। वर्तमान बैच सहित, पिछले दो महीनों में ईसीआई ने नई दिल्ली में 2,600 से अधिक क्षेत्रीय अधिकारियों को प्रशिक्षित किया है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि बीएलओ को जल्द ही मानक पहचान पत्र जारी किए जाएंगे ताकि घर-घर जाकर सत्यापन के दौरान उनका काम आसान हो सके। प्रतिभागी अपने-अपने राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों में अन्य बीएलओ को प्रशिक्षित करेंगे। मुख्य चुनाव आयुक्त ने प्रतिभागियों को बताया कि उन्हें जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950, मतदाता पंजीकरण नियम 1960, चुनाव संचालन नियम 1961 और समय-समय पर ईसीआई द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार सख्ती से काम करना है। प्रशिक्षण का उद्देश्य खासकर मतदाता पंजीकरण, फॉर्म हैंडलिंग और चुनावी प्रक्रियाओं के क्षेत्र-स्तरीय कार्यान्वयन के क्षेत्रों में प्रतिभागियों की व्यावहारिक समझ को बढ़ाना है। प्रतिभागियों को आरपी अधिनियम 1950 की धारा 24(ए) के तहत डीएम, जिला कलेक्टर, कार्यकारी मजिस्ट्रेट और धारा 24(बी) के तहत राज्य, संघ राज्य क्षेत्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के साथ प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची के खिलाफ पहली और दूसरी अपील के प्रावधानों से परिचित कराया जाएगा। 6-10 जनवरी 2025 तक विशेष सारांश संशोधन (एसएसआर) अभ्यास पूरा होने के बाद बिहार, हरियाणा और दिल्ली से कोई अपील दायर नहीं की गई थी।

संपादक की कलम से

## स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहना होगा

आज दुनिया भर में मनुष्य के स्वास्थ्य को लेकर चिंता व्यक्त की जा रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी दुनिया के देशों को समय-समय पर चेतावनी देता रहता है। कुछ वर्ष पूर्व आई कोरोना महामारी ने पूरी दुनिया को हिला कर रख दिया था। मगर वैज्ञानिकों की तत्परता से वैक्सीन निर्माण होने के चलते वह नियंत्रण में आ गई थी। मगर भविष्य में भी ऐसी कोई गारंटी नहीं है कि कोरोना जैसी महामारी फिर नहीं आए। कभी भी कोई नई महामारी आ सकती है। इसलिए हमें हमारे खानपान, रहन-सहन व वातावरण में सावधानी बरतनी चाहिए ताकि हम बेवजह की बीमारियों से बच सके।

स्वास्थ्य हमारे जीवन के लिए सबसे महत्वपूर्ण है। इंसान जब तक स्वस्थ रहता है तब तक उसमें कार्य करने की क्षमता बनी रहती है। जब वह अस्वस्थ होने लगता है तो उसके कार्य करने की क्षमता भी कमजोर पड़ने लगती है। इसीलिए हमारे बुजुर्ग कहा करते थे कि पहला सुख निरोगी काया। यानी शरीर स्वस्थ रहने पर ही सबसे पहला सुख मिलता है। आज के दौर में खानपान में लापरवाही के चलते अधिकतर व्यक्ति किसी ने किसी बीमारी से ग्रसित रहने लगे हैं। इससे उनके कार्य क्षमता में भी कमी आई है। मनुष्य के अस्वस्थ होने पर उसके उपचार पर पैसे खर्च होते हैं जिससे उसकी आर्थिक स्थिति कमजोर होने लगती है। इसके साथ ही बीमार व्यक्ति का पूरा परिवार भी उसकी बीमारी के चलते तनाव में रहने लगता है। भागम-भाग के दौर वाली आज की जिंदगी में जो व्यक्ति अपना स्वास्थ्य सही रख पाता है। वह कम कमा कर भी सबसे अधिक सुखी रह सकता है। इसलिए हमें सबसे अधिक अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देना चाहिए।

स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने के लिए प्रति वर्ष 7 अप्रैल को पूरी दुनिया में विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। इस दिन को मनाने के पीछे विश्व स्वास्थ्य संगठन का मकसद दुनियाभर में लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है। साथ ही साथ सरकारों को स्वास्थ्य नीतियों के निर्माण के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित करना। वर्तमान में इस संगठन के बैनर तले 195 से अधिक देश अपने-अपने देश के नागरिकों को रोगमुक्त बनाने के लिए प्रयासरत है। विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाने की शुरूआत 1950 से हुई। वैश्विक आधार पर स्वास्थ्य से जुड़े सभी मुद्दे को विश्व स्वास्थ्य दिवस लक्ष्य बनाता है। जिसके लिये कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के द्वारा अंतरर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न प्रकार के खास विषय पर आधारित कार्यक्रम इसमें आयोजित होते हैं। पूरे साल भर के स्वास्थ्य का ध्यान रखने के लिये और उत्सव को चलाने के लिये एक खास विषय का चुनाव किया जाता है। वर्ष 2025 में विश्व स्वास्थ्य दिवस का विषय है स्वस्थ शुरूआत, आशावादी भविष्य। यह विषय माताओं और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य और जीवन को बढ़ाने पर केंद्रित है। जिसका लक्ष्य परिहार्य मातृ और शिशु मृत्यु के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि आधे भारतीयों की आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच ही नहीं है। जबकि स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाने वाले लोग अपनी आय का 10 फीसदी से ज्यादा इलाज पर ही खर्च कर रहे हैं।

वैश्विक साइबर सुरक्षा सूचकांक (जीसीआई) 2024 में भारत का स्कोर 98.49/100 रहा है। यह स्कोर अमेरिका, जापान, और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के साथ भारत को टियर 1 में रखता है। वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा सूचकांक 2024 के अनुसार भारत 42.8 के समग्र सूचकांक स्कोर के साथ 195 देशों में से 66वें स्थान पर है और 2019 से -0.8 का परिवर्तन है। 2021 में दुनिया भर के देशों की स्वास्थ्य प्रणालियों की रैंकिंग के अनुसार, स्वास्थ्य सूचकांक स्कोर के आधार पर भारत 167 देशों में से 111वें स्थान पर था।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार तीन साल की अवस्था वाले 3.88 प्रतिशत बच्चों का विकास अपनी उम्र के हिसाब से नहीं हो सकी है और 46 प्रतिशत बच्चे अपनी अवस्था की तुलना में कम वजन के हैं, जबकि 79.2 प्रतिशत बच्चे एनीमिया से पीड़ित हैं। गर्भवती महिलाओं में एनीमिया 50 से 58 प्रतिशत बढ़ा है। कहा जाता है कि जिस देश कि चिकित्सा सुविधाएं बेहतर होगी उस देश के लोगों कि औसत आयु उतनी ही अधिक होगी। भारतवासियों को यह जानकर हैरानी होगी कि औसत आयु के मामले में बांग्लादेश भारत से आगे है। भारत में औसत आयु जहां 64.6 वर्ष मानी गई है, वहीं बांग्लादेश में यह 66.9 वर्ष है। इसके अलावा भारत में कम वजन वाले बच्चों का अनुपात 43.5 प्रतिशत है और प्रजनन क्षमता की दर 2.7 प्रतिशत है, जबकि पांच वर्षों से कम अवस्था वाले बच्चों की मृत्यु दर 66 है और शिशु मृत्यु दर जन्म लेने वाले प्रति हजार बच्चों में 41 है जबकि 66 प्रतिशत बच्चों को डीपीटी का टीका देना पड़ता है।

भारतीय स्वास्थ्य रिपोर्ट के मुताबिक सार्वजनिक स्वास्थ्य की सेवाएं अभी भी पूरी तरह से मुफ्त नहीं है और जो है उनकी हालत अच्छी नहीं है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में प्रशिक्षित लोगों की काफी कमी है। भारत में डॉक्टर और आबादी का अनुपात भी संतोषजनक नहीं है। हमारे देश में 1000 लोगों पर एक डॉक्टर भी उपलब्ध नहीं है। अस्पतालों में बिस्तर की उपलब्धता भी काफी कम है और केवल 28 प्रतिशत लोग ही बेहतर साफ-सफाई का ध्यान रखते हैं।

## क्या होती है हैंड हाइजीन, अच्छी सेहत के लिए ये क्यों है जरूरी

5 मई 2025 को विश्व हाथ स्वच्छता दिवस मनाया जाता है. दिल्ली सोसाइटी फॉर प्रमोशन ऑफ रैशनल यूज ऑफ ड्रग्स (ऊरढफवऊ) ने स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग (दिल्ली सरकार) के साथ मिलकर दिल्ली के 350 से अधिक स्कूल शिक्षकों के लिए एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया. स्वच्छ हाथ, उज्ज्वल कक्षाएं: स्वच्छता की शुरूआत हमसे होती है! इसका उद्देश्य स्कूलों और समुदायों में संक्रमण से बचाव में हाथ स्वच्छता के महत्व को उजागर करना था.

इंफेक्शन कंट्रोल एकेडमी ऑफ इंडिया (कऋउअक) के अध्यक्ष और हैदराबाद विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. रंगा रेड्डी बुरी ने कहा कि शिक्षक बच्चों और समाज के लिए रोल मॉडल होते हैं और वे हाथ स्वच्छता की आदतें फैलाने में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं.

**हैंड हाइजीन क्या है?**

हैंड हाइजीन यानी हाथों को साफ रखना और उन्हें बैक्टीरिया, वायरस और अन्य रोगाणुओं से मुक्त रखना. हाथों की स्वच्छता के लिए साबुन और पानी का उपयोग करना सबसे अच्छा तरीका है.हाथों की स्वच्छता से हम कई तरह की बीमारियों से बच सकते हैं, जैसे कि डायरिया, फ्लू और कई प्रकार के संक्रमण से बचाव होता है. कोरोना काल के दौरान भी हैंड हाइजीन पर काफी जोर दिया गया था.

लोक नायक अस्पताल के सीनियर कंसल्टेंट, डॉ. रविंद्र अग्रवाल, उन्होंने स्कूलों और समुदायों में संक्रमण नियंत्रण पर चर्चा की. उन्होंने कैंटीन, शौचालय, पानी के कूलर और कचरा स्थानों जैसे जोखिम भरे क्षेत्रों पर ध्यान दिलाया. साथ ही, सांस की स्वच्छता, लक्षणों की पहचान, और स्कूल स्तर पर स्वच्छता के अभ्यास को जरूरी बताया. डॉ. संगीता शर्मा ने कहा, संक्रमण नियंत्रण और टीबी की रोकथाम दोनों ही विषय सार्वजनिक स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए बहुत जरूरी हैं. शिक्षकों और छात्रों को जागरूक बनाना सरकार के टीबी उन्मूलन के लक्ष्य को पाने में मददगार होगा. स्कूल इस मिशन के अहम भागीदार हैं.

# अव्वल आने की होड़ में छात्रों की आत्महत्याएं चिन्ताजनक

**- ललित गर्ग -**

टॉपर संस्कृति के दबाव एवं अव्वल आने की होड़ में छात्रों के द्वारा तनाव, अवसाद, कुंठा में आत्महत्या कर लेना एक गंभीर समस्या है। यह दुर्भाग्यपूर्ण एवं चुनौतीपूर्ण है कि हमारी छात्र प्रतिभाएं आसमानी उम्मीदों, टॉपर संस्कृति के दबाव व शिक्षा तंत्र की विसंगतियों के चलते आत्मघात की शिकार हो रही हैं। हाल ही में लगातार हो रही छात्रों की दुखद मौतें जहां शिक्षा प्रणाली अतिश्योक्तिपूर्ण प्रतिस्पर्धा पर प्रश्न खड़े करती है, वहीं विचलित भी करती हैं। इनमें राजस्थान स्थित कोटा के नीट के परीक्षार्थी और मोहाली स्थित निजी विश्वविद्यालय में फोरेंसिक साइंस का एक छात्र शामिल था। पश्चिम बंगाल के आई आई टी खड़गपुर में सिविल इंजीनियरिंग विभाग के तीसरे वर्ष के छात्र मोहम्मद आसिफ कमर का शव उनके हॉस्टल रूम में फंदे से लटका मिला। भुवनेश्वर के कीट में कम समय में दूसरी नेपाली छात्रा की मौत से विश्वविद्यालय की छवि और भारत के विदेशी छात्रों को आकर्षित करने के प्रयासों पर सवाल उठ रहे हैं। नीट के पेपर के तनाव में नूपुर ने नीट पेपर के एक दिन पहले फांसी लगाकर जान देना एवं मौत को गले लगाना हमारी घातक प्रणालीगत विफलता एवं टॉपर संस्कृति की आत्महंता सोच को ही उजागर करती है। निश्चित रूप से छात्र-छात्राओं के लिये घातक साबित हो रही टॉपर्स संस्कृति में बदलाव लाने के लिए नीतिगत फैसलों की सख्त जरूरत है। राजस्थान सरकार की ओर से प्रस्तावित कोचिंग संस्थान (नियंत्रण और विनियमन) विधेयक इस दिशा में बदलावकारी साबित हो सकता है। लेकिन केन्द्र सरकार को भी ऐसे ही कदम उठाने होंगे ताकि छात्रों में आत्महत्या की समस्या के दिन-पर-दिन विकराल होते जाने पर अंकुश लग सके। यह शिक्षाशास्त्रियों, समाज एवं शासन व्यवस्था से जुड़े हर एक व्यक्ति के लिए चिंता का विषय होना चाहिए।

कोचिंग संस्थानों की बढ़ती बाढ़ एवं गलाकाट प्रतिस्पर्धा में छात्र किस हद तक जानलेवा घातकता का शिकार हो रहे हैं। यह दुखद ही है कि सुनहरे सपने पूरा करने का ख्वाब लेकर कोटा गए चौदह छात्रों ने इस साल आत्महत्याएं की हैं। विडंबना यह है कि बार-बार चेतावनी देने के बावजूद कोचिंग संस्थानों के संरचनात्मक दबाव, उच्च दांव वाली परीक्षाओं, गलाकाट स्पर्धा, दोषपूर्ण कोचिंग प्रथाएं और सफलता की गारंटी के दावों का सिलसिला थमा नहीं है। यही वजह है कि हाल ही में केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण यानी सीसीपीए ने कई कोचिंग संस्थानों को भ्रामक विज्ञापनों और अनुचित व्यापारिक प्रथाओं के चलते नोटिस दिए हैं। दरअसल, कई कोचिंग संस्थान जमीनी हकीकत के विपरीत शीर्ष रैंक दिलाने और चयन की गारंटी देने के थोथे एवं लुभावने वायदे करते रहते हैं। निस्संदेह, इस तरह के खोखले दावे अक्सर कमजोर छात्रों और चिंतित अभिभावकों के लिये एक घातक चक्रव्यूह बन जाते हैं। छात्रों को अनावश्यक प्रतिस्पर्धा के लिये बाध्य करना और योग्यता को अंकों के जरिये रैंकिंग से जोड़ना कालांतर में अन्य छात्रों को निराशा के भंवर में फंसा देता है। वास्तव में सरकार को ऐसा पारिस्थितिकीय तंत्र विकसित करना चाहिए, जो विभिन्न क्षेत्रों में रुचि रखने वाले युवाओं के लिये पर्याप्त संख्या में रोजगार के अवसर पैदा कर सके। वास्तव में हमें युवाओं को मानसिक रूप से सबल बनाने की सख्त जरूरत है, तभी भारत सशक्त होगा, विकसित होगा।

पारिवारिक दबाव, शैक्षिक तनाव और पढ़ाई में अव्वल आने की महत्वाकांक्षा ने छात्रों के एक बड़े वर्ग को गहरे मानसिक अवसाद में डाल दिया है। युवाओं को भी सोचना होगा कि जिंदगी दोबारा नहीं मिलती। इसे यूं ही तनाव में आकर ना गंवाएं, बल्कि जिंदगी में आने वाली कठिनाइयों का डटकर मुकाबला करें। पढ़ाई में असफल रहने के कारण कुछ बच्चों पर मानसिक दबाव बढ़ रहा है। हर परिवार की अपने बच्चों से ज्यादा अपेक्षाएं होती हैं। अधिकतर युवा जिंदगी में आने वाली समस्याओं को बर्दाश्त नहीं कर पाते और वे अपनी बात किसी से साझा तक नहीं करते। प्रतिभागियों को बताया जाना चाहिए कि कोई भी परीक्षा जीवन से बड़ी नहीं होती। छात्रों की आत्महत्या की घटनाएं तथाकथित समाज एवं राष्ट्र विकास एवं शिक्षा की विडम्बनापूर्ण एवं त्रासद तस्वीर को बयां करती है। आत्महत्या शब्द जीवन से पलायन का डरावना सत्य है जो दिल को दहलाता है, डराता है, खौफ पैदा करता है, दर्द देता है। प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थानों, उच्च शिक्षा संस्थानों एवं कोंचिंग संस्थानों में आत्महत्या की बढ़ती घटनाएं हमारी चिन्ता का सबब बनना चाहिए।

वैसे छात्रों की आत्महत्या कोई नई बात नहीं है, ऐसी खबरें हर कुछ समय बाद आती रहती हैं। रिकॉर्ड बताते हैं कि पिछले एक दशक में कोचिंग संस्थानों में ही नहीं, आईआईटी जैसे संस्थानों में ही 52 छात्र आत्महत्या कर चुके हैं। यह संख्या इतनी छोटी भी नहीं कि ऐसे मामलों को अपवाद मानकर नजरअंदाज कर दिया जाए। बेशक ऐसे हर मामले में अवसाद का कारण कुछ अलग रहा होगा, वे अलग-अलग तरह के दबाव होंगे, जिनके कारण ये छात्र-छात्राएं आत्महत्या के लिए बाध्य हुए होंगे। ऐसे संस्थानों में जहां भविष्य की बड़ी-बड़ी उम्मीदें उपजनी चाहिए, वहां अगर दबाव और अवसाद अपने लिए जगह बना रहे हैं और छात्र-छात्राओं को आत्महंता बनने को विवश कर रहे हैं तो यह एक काफी गंभीर मामला है। शैक्षणिक दबावों के चलते छात्रों में आत्महंता होने की घातक प्रवृत्ति का तेजी से बढ़ना हमारे नीति-निमार्ताओं के लिये चिन्ता का कारण बनना चाहिए। क्या विकास के लम्बे-चौडे.दावे करने वाली भारत सरकार ने इसके बारे में कभी सोचा? क्या विकास में बाधक इस समस्या को दूर करने के लिये सक्रिय प्रयास शुरू किए?

विचित्र है कि जो देश दुनिया भर में अपनी संतुलित जीवनशैली एवं अहिंसा के लिये जाना जाता है, वहां के शिक्षा-संस्थानों में हिंसा का भाव पनपना एवं छात्रों के आत्महंता होते जाने की प्रवृत्ति का बढ़ना अनेक प्रश्नों को खड़ा कर रहा है। ऐसे ही अनेक प्रश्नों एवं खौफनाक दुर्घटनाओं के आंकड़ों ने शासन-व्यवस्था के साथ-साथ समाज-निमार्ताओं को चेताया है और गंभीरतापूर्वक इस विडम्बनापूर्ण एवं चिन्ताजनक समस्या पर विचार करने के लिये जागरूक किया है, लेकिन क्या कुछ सार्थक पहल होगी? बहुत जरूरी है कि कोचिंग संस्थान अपनी कार्यशैली एवं परिवेश में आमूल-चूल परिवर्तन करें ताकि छात्रों पर बढ़ते दबावों को खत्म किया जा सके। फिलहाल जरूरी यह भी है कि इन संस्थानों में एक ऐसे तंत्र को विकसित किया जाए, जो निराश, हताश और अवसादग्रस्त छात्रों के लगातार संपर्क में रहकर उनमें आशा का संचार कर सके, उन्हें सकारात्मकता के संस्कार दे सके। इसके लिए स्थाई तौर पर कुछ मनोवैज्ञानिकों एवं विशेषज्ञों की सेवाएं भी ली जा सकती हैं। छात्रों के सिर पर परीक्षा का तनाव एवं अव्वल आने की दोड़ प्रतिस्पर्धा के दौर में और भी बढ़ गयी है। आज रोजगार के अवसर लगभग समाप्त हैं। ग्रेजुएशन कर चुकने वाला छात्र केवल किसी दफ्तर में ही अपने लिये सम्भावनायें तलाशता है। लेकिन नौकरी नहीं मिलती। बेरोजगारी अवसाद की ओर ले जाती है और अवसाद आत्महत्या में त्राण पाता है। लेकिन कोचिंग संस्थानों एवं शिक्षा के उच्च संस्थान में अवसाद पसरा है और उसके कारण छात्र यदि आत्महत्या करते हैं, तो यह इस उच्च शैक्षणिक संस्थानों एवं कोचिंग संस्थानों के भाल पर बदनुमा दाग है। यह माना जाता है कि देश की सबसे प्रखर प्रतिभाएं इन्हीं कोचिंग संस्थानों में पहुंचती हैं, जहां लगातार हो रही आत्महत्या की खबरें यह तो बताती ही हैं कि कोचिंग संस्थानों में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा, साथ ही वे बहुत से बच्चों और उनके अभिभावकों के सपने को तो तोड़ते ही हैं लेकिन उनकी उम्मीद की सांसों को ही छीन लेते हैं। बहुत जरूरी है कि कोचिंग संस्थान अपनी कार्यशैली एवं परिवेश में आमूल-चूल परिर्वतन करें ताकि छात्रों पर बढ़ते दबावों को खत्म किया जा सके, इन दबावों के कारण ही कुछ छात्र आत्महत्या जैसे कदम उठाने को मजबूर हो जाते हैं। जब छात्रों में अव्वल आने की मनोवृत्ति, कैरियर एवं बी नम्बर वन की दौड़ सिर पर सवार होती हैं और उसे पूरा करने के लिये साधन, क्षमता, योग्यता एवं परिस्थितियां नहीं जुटा पाते हैं तब कुंठित, तनाव एवं अवसादग्रस्त व्यक्ति को अन्तिम समाधान आत्महत्या में ही दिखता है।

इनदिनों शिक्षा के क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा एवं अभिभावकों की अतिशयोक्तिपूर्ण महत्वाकांक्षाओं के कारण आत्महत्या की घटनाएं अधिक देखने को मिल रही है।

# हिटलर जिंदा है!

विपक्षी नेता राहुल गांधी इस समय अमेरिका में हैं। गांधी ने बोस्टन में ब्राउन यूनिवर्सिटी में छात्रों से बातचीत की। छात्रों ने भारत में हो रही घटनाओं के बारे में सवाल पूछे और गांधी के भारत में तानाशाही, असंवैधानिक प्रक्रियाओं, महाराष्ट्र-हरियाणा चुनावों में घोटालों पर कठोर टिप्पणी करते ही भाजपा भक्तों के पेट में मरोड़ उठने लगी। भाजपा ने राग आलापा कि विदेशी धरती पर जाकर देश के मामलों की शिकायत करना उचित नहीं है, लेकिन विदेश में यह परंपरा नरेंद्र मोदी ने ही शुरू की। दूसरी बात यह कि जब किसी देश में स्वतंत्रता और लोकतंत्र को खतरा होता है तो लोकतांत्रिक और मानवतावादी नेता विदेश जाकर एक भूमिका लेते हैं और मदद भी मांगते हैं। नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने आजादी के लिए विदेशी ताकतों से मदद मांगी और इसके लिए वे जर्मनी गए और हिटलर से भी मिले। उन्हीं नेताजी की एक भव्य प्रतिमा मोदी ने दिल्ली के राजपथ पर लगाई है। राहुल गांधी अमेरिका में हैं और वहां की जनता सभी ५० राज्यों में सड़कों पर उतरकर ट्रंप की तानाशाही के खिलाफ प्रदर्शन कर रही है। न्यूयॉर्क-वॉशिंगटन समेत कई राज्यों में लोगों ने एकजुट होकर मोर्चे निकाले। ट्रंप की मनमानी और देश विरोधी नीतियों की निंदा की। प्रेसिडेंट ट्रंप लोकतांत्रिक तरीके से चुने गए और अब ह्यबादशाहीह्ल तरीके से शासन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारी ह्यहमें ट्रंप की राजशाही अस्वीकार्य हैह्ल ह्यट्रंप चले जाओ जैसे नारेह्ल लगा रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने ह्यव्हाइट हाउसह्ल और अमेरिकी संसद को घेर लिया। प्रदर्शनकारियों का नेतृत्व हीदर डन कर रहे हैं। बकौल हीदर ह्यहमारा आंदोलन शांतिपूर्ण है। हमारा इरादा किसी का अपमान करना या नुकसान पहुंचाना नहीं है। हम देश को एकजुट रखना चाहते हैं और संविधान की रक्षा करना चाहते हैं। इसका मतलब है कि ट्रंप मनमानी कर रहे हैंह्ल वे लफ्फाजी कर लोगों को धोखा दे रहे हैं। ट्रंप खुद एक व्यापारी हैं और उन्हें
राजसी ढंग से जीने का
शौक है। वे राष्ट्रवाद, गरीबों के कल्याण पर भाषण देते हैं और उसके ठीक विपरीत कार्य करते हैं। यह ट्रंप की नीति है कि उनके खास दलाल और उद्योगपति मित्रों की मदद की जाए। ट्रंप प्रशासन के तानाशाही रवैये से देश के लोकतंत्र को बचाने के लिए अमेरिकी जनता सड़कों पर उतर आई। प्रेसिडेंट ट्रंप दुनिया के चौधरी बनते हैं। अन्य देशों के राष्ट्राध्यक्षों को सलाह देते हैं, लेकिन असल में इस समय उनके अपने अमेरिका में नागरिक अराजकता मची है। जिस तरह भारत में जीएसटी, नोटबंदी जैसी नीतियों के कारण अर्थव्यवस्था चरमरा गई उसी तरह ट्रंप की ह्यटैरिफह्ल नीति के चलते अमेरिकी अर्थव्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई है। नतीजा यह हुआ कि शेयर बाजार धराशायी हो गया। बेरोजगारी बढ़ी। सरकारी नौकरियों में कटौती हुई।

भारत की तरह अमेरिका में भी नागरिक स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हनन हो रहा है और मानवाधिकारों को लेकर एक अस्पष्ट भ्रम है। प्रेसिडेंट ट्रंप और उद्योगपति मस्क ने मिलकर अमेरिका की प्रतिष्ठा को धूमिल किया है। लोग मस्क से नाराज हैं और लोगों ने मस्क की टेस्ला कारों के शोरूम को भी निशाना बनाया। प्रेसिडेंट ट्रंप अमेरिकी लोगों के बीच अलोकप्रिय हो गए हैं। जो अमेरिका में हो रहा, है वही भारत में हो रहा है। सत्ताधारी भाजपा सांसद खुलेआम सर्वोच्च न्यायपालिका पर हमला बोल रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट पर दबाव बनाने की ये कोशिश निंदनीय है। पूर्व चुनाव आयुक्त का जिक्र, आप मुसलमानों के आयुक्त बनते के तौर पर करना चौंकानेवाला और बेशर्मी है। धार्मिक ध्रुवीकरण की राजनीति देश को विघटन की ओर धकेल रही है।

# कैमरा, 'भूख' और सोशल मीडिया

**प्रियंका सौरभ**

सोशल मीडिया के युग में भलाई और करुणा अब मौन संवेदनाएं नहीं रहीं। वे कैमरे के फ्रेम में कैद होती जा रही हैं। आज अधिकांश मदद 'लाइक्स' और 'फॉलोवर्स' के लिए की जाती है, न कि सच्ची इंसानियत के लिए। सहायता अब एक 'कंटेंट' बन चुकी है और जरूरतमंद की गरिमा अकसर इस प्रदर्शन की भेंट चढ़ जाती है। इसलिए यूजर्स को अब आत्मपरीक्षण जरूर करना चाहिए कि क्या हम वाकई मदद कर रहे हैं या बस सोशल मीडिया पर नेकी की तस्वीर गढ़ रहे हैं?

आज का युग 'डिजिटल करुणा' का युग बन चुका है, जहां इंसानियत, परोपकार, और सहानुभूति जैसे मूल्य अब मौन संवेदनाओं की बजाय कैमरे की फ्लैश में दर्ज होते हैं। पहले जहां 'नेकी कर दरिया में डाल' की परंपरा जीवित थी, अब वह बदलकर 'नेकी कर, सोशल मीडिया पर डाल' हो चुकी है। भलाई की भावना मनुष्य की सबसे पवित्र प्रवृत्तियों में से एक है। यह वह स्वाभाविक मानवीय गुण है जो हमें संवेदना, दया, और परस्पर सहयोग की ओर प्रेरित करता है। किन्तु आज के समय में यह गुण मंच पर आ चुका है-एक ऐसा मंच जहाँ तालियां हैं, टिप्पणियां हैं, और सबसे जरूरी, एक कैमरा है जो हर क्षण को 'दृश्य' बनाता है।

एक समय था जब कोई वृद्ध भूखा दिखता, तो राह चलते लोग बिना कुछ कहे, बिना देखे, उसे कुछ खाने को दे जाते थे। आज वही दृश्य होता है, लेकिन कैमरा पहले निकाला जाता है। भूखे की थाली से ज्यादा अहमियत उस एंगल की होती है, जिसमें वह थाली दिखाई दे। सेवा अब सीधी नहीं रही, वह एक स्क्रिप्टेड ऐक्ट में बदल गई है। आधुनिक मानव की आत्मा अब लाइक्स, शेयर, कमेंट्स की भूखी हो चली है। किसी की मदद करने के बाद हमें तसल्ली तब मिलती है, जब कोई कहे, 'वाह, आप तो बड़े नेकदिल हैं।' पहले मदद करने के बाद मन को जो संतोष मिलता था, अब वह 'फॉलोवर्स बढ़ने' के संतोष से बदला जा चुका है।

यह न केवल इंसानियत की आत्मा को खरोंचता है, बल्कि मदद पाने वाले की गरिमा को भी आहत करता है। वह व्यक्ति जिसे मदद मिली है, उसकी जरूरतें तो पूरी होती हैं, लेकिन उसकी निजता, उसकी आत्मसम्मान की परतें एक-एक कर सोशल मीडिया के सामने उतार दी जाती हैं। सोचिए, अगर कोई कैमरा न हो, कोई दर्शक न हो, कोई ताली बजाने वाला न हो-क्या तब भी आप वही मदद करेंगे? यह प्रश्न हमारे भीतर झांकने की जरूरत को इंगित करता है। करुणा यदि सच्ची है, तो वह गुमनाम रहेगी। यदि उसमें प्रदर्शन है, तो वह करुणा नहीं-डिजिटल ब्रांडिंग है।

आज कई बार लगता है कि सहायता करना एक स्क्रिप्टेड इवेंट बन चुका है। वीडियो में सबसे पहले मदद मिलने वाले व्यक्ति की दयनीय स्थिति को दिखाया जाता है, फिर सहायता प्रदान की जाती है, और अंत में किसी नायक की तरह मददकर्ता का चेहरा। यह सब इतनी सफाई से किया जाता है कि वीडियो फिल्म जैसी लगती है-संगीत के साथ, टाइटल के साथ, और अंत में एक गूढ़-सा संदेश।

इस सारी प्रवृत्ति में सबसे अधिक पीड़ित होती है नैतिकता। किसी की जरूरत को दिखावा बना देना उस व्यक्ति के अस्तित्व पर हमला है। एक भूखे की भूख अगर कैमरे में रिकॉर्ड न हो तो क्या उसका दुख कम है? क्या दया केवल तभी योग्य है जब वह पब्लिक डोमेन में हो? यह नई नैतिकता सिर्फ दूसरों के सामने दिखने के लिए जीती है। अब 'कृपा' भी एक मुद्रा बन गई है-जिसे दिखाना पड़ता है, गिनाना पड़ता है। स्वार्थरहित सेवा का स्थान स्वार्थयुक्त प्रदर्शन ने ले लिया है।

कल्पना कीजिए एक दृश्य-एक व्यक्ति सड़क किनारे बेहोश पड़ा है। एक 'सोशल वॉरियर' आता है, और उसके साथ उसका कैमरामैन। सबसे पहले कुछ तस्वीरें, फिर एक वीडियो- 'हमने इनको उठाया, पानी पिलाया, एंबुलेंस बुलाई' और फिर कैप्शन-हम सब मिलकर बदलाव ला सकते हैं...।

कमेंट्स आते हैं–वाह भाई साहब, आप तो फरिश्ता हैं। किसी को यह नहीं सूझता कि क्या वह व्यक्ति कैमरे में आना चाहता था? क्या उसे अपने जीवन की सबसे कमजोर अवस्था में पब्लिकली दिखाया जाना चाहिए था? आज नेकी भी एक पूंजी बन गई है। इसका बाजार भाव बन गया है। जो जितनी ज्यादा भलाई करता है (या कहें, दिखाता है), उसका सामाजिक रेटिंग उतना ही ऊंची हो जाती है। कई बार यह भलाई राजनीतिक होती है, कभी कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत होती है, और कभी व्यक्तिगत ब्रांड निर्माण के लिए।

ऐसे में वास्तविक करुणा कहां छिप जाती है? क्या वह अब केवल कविता में जीवित रह गई है? क्या वह अब सिर्फ कबीर और तुलसी के दोहों में ही सांस लेती है? सोचने का समय आ गया है। मदद करने वाला बड़ा है या मदद पाने वाला? यदि कोई भूखा है, तो क्या उसकी भूख की तस्वीर लेना जरूरी है? क्या उसकी सहमति जरूरी नहीं? यदि हम उसे मदद देते समय उसकी पीड़ा को 'कंटेंट' बना दें, तो क्या हम वास्तव में सहायता कर रहे हैं या उसका उपभोग कर रहे हैं? आज जब भलाई की तस्वीरें सोशल मीडिया पर तैरती हैं, तो कहीं-न-कहीं वे समाज को एक नई दिशा दे रही हैं।

## ट्रम्प ने सीरिया के अंतरिम राष्ट्रपति से की मुलाकात, 25 वर्षों में दोनों देशों के नेताओं के बीच पहली मुलाकात

एजेंसी

**रियाद।** अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सऊदी अरब में सीरिया के अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शरा से मुलाकात की। यह दोनों देशों के नेताओं के बीच पिछले 25 वर्षों में पहली ऐतिहासिक बैठक है, जिसे सीरिया के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पुनः स्थापित होने की दिशा में एक अहम मोड़ माना जा रहा है। यह मुलाकात खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के नेताओं के साथ ट्रंप की बैठक के दौरान हुई। लंबे समय तक असद परिवार के शासन के बाद सीरिया एक नई राजनीतिक दिशा की ओर बढ़ रहा है और अहमद अल-शरा अब इस परिवर्तन के प्रतीक के रूप में उभरे हैं। कभी अमेरिकी वांछित सूची में शामिल रह चुके अल-शरा को ट्रंप ने युवा, आकर्षक, मजबूत और जुझारू नेता बताते हुए उनकी तारीफ की। ट्रंप ने कहा, वह एक असली नेता हैं। उन्होंने संघर्ष का नेतृत्व किया है और वह काफी प्रभावशाली हैं। अहमद अल-शरा पहले अबू मोहम्मद अल-गोलानी के नाम से जाने जाते थे और इराक में अमेरिकी बलों के खिलाफ लड़ चुके थे। बाद में वह सीरियाई संघर्ष में शामिल हुए और कुछ वर्षों तक अमेरिकी हिरासत में भी रहे। ट्रंप ने दावा किया कि अल-शरा ने अब्राहम समझौते में शामिल होने और भविष्य में इजराइल को मान्यता देने की सहमति दी है। हालांकि सीरिया की ओर से इस पर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। ट्रंप ने कहा, मैंने उनसे कहा, 'आशा है आप समझौते में शामिल होंगे।' उन्होंने कहा, 'हां।' लेकिन अभी उन्हें बहुत कुछ सुधारना है।

## फ्रांस और अल्जीरिया के बीच राजनयिक टकराव गहराया, दोनों देशों ने एक-दूसरे के राजनयिकों को किया निष्कासित

**पेरिस/अल्जीयर्स।** फ्रांस और अल्जीरिया के बीच कूटनीतिक तनाव नई ऊंचाइयों पर पहुंच गया है। फ्रांस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए अल्जीरियाई राजनयिकों को निष्कासित कर दिया है। यह कदम अल्जीरिया द्वारा रविवार को 15 फ्रांसीसी अधिकारियों को देश से बाहर निकाले जाने के बाद उठाया गया। फ्रांस के यूरोप और विदेश मामलों के मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यह निर्णय सख्त पारस्परिकता के सिद्धांत के तहत लिया गया है। मंत्रालय ने यह भी बताया कि अल्जीरियाई अधिकारियों को तलब कर इस निर्णय से अवगत कराया गया है। हालांकि, फ्रांस की ओर से यह स्पष्ट नहीं किया गया कि कितने अल्जीरियाई राजनयिकों को निष्कासित किया गया है। मंत्रालय ने अल्जीरिया से जिम्मेदाराना रुख अपनाने और दोनों देशों के हित में फिर से गंभीर और रचनात्मक संवाद की बहाली का आह्वान किया है। यह राजनयिक संकट 2013 के उस समझौते का उल्लंघन है, जिसके तहत दोनों देशों के राजनयिक बिना वीजा के एक-दूसरे के देश की यात्रा कर सकते थे। अल्जीरिया का कहना है कि फ्रांस ने हाल ही में अपने राजनयिकों की नियुक्ति में प्रक्रियात्मक नियमों का उल्लंघन किया है, जिसके कारण उन्हें निष्कासित करना पड़ा।

## बलूचिस्तान ने पाकिस्तान से आजाद होने का किया ऐलान, बलूच नेता ने विश्व भर से मांगा समर्थन

**क्वेटा।** पाकिस्तान पोषित आतंकवादियों के खिलाफ भारत के ऑपरेशन सिंदूर के सफल होने के बाद बलूचिस्तान ने पाकिस्तान से स्वतंत्र होने की घोषणा की है। बलूच नेता मीर यार बलूच ने भारत और दुनिया के देशों से बलूचिस्तान की स्वतंत्रता के लिए समर्थन देने की अपील की है। बलूचिस्तान का क्षेत्रफल 347,190 वर्ग किलोमीटर है, जो पाकिस्तान के कुल क्षेत्रफल का लगभग 44 प्रतिशत है। मीर यार बलूच ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर एक के बाद एक कई पोस्ट किए। उन्होंने लिखा कि बलूचिस्तान के लोगों ने अपना निर्णय दे दिया है। अब दुनिया को चुप नहीं रहना चाहिए। बलूचिस्तान की जनता सड़कों पर हैं। बलूच लोगों का राष्ट्रीय फैसला है कि बलूचिस्तान पाकिस्तान नहीं है और दुनिया अब मूकदर्शक नहीं रह सकती। उन्होंने भारत के लोगों से अपील की है कि वे बलूचों को पाकिस्तान के लोग न कहें। हम पाकिस्तानी नहीं हैं। हम बलूचिस्तानी हैं। पाकिस्तान के अपने लोग पंजाबी हैं। बलूच नेता ने भारत के पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) खाली करने से जुड़े बयान का भी समर्थन किया। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को पाकिस्तान से तुरंत पीओके खाली करने के लिए कहना चाहिए।

## त्रिपोली में हिंसा से पांच लाख बच्चों को खतरा : यूनिसेफ

**त्रिपोली।** संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) ने कहा कि लीबिया की राजधानी त्रिपोली और उसके आसपास पिछले दो दिनों से बढ़ती हिंसा लगभग पांच लाख बच्चों को प्रभावित कर सकती है। यूनिसेफ ने एक बयान में कहा, त्रिपोली में जारी हिंसा के चलते बच्चे, परिवार और मेडिकल स्टाफ घंटों तक अस्पतालों में फंसे रहे। ऐसे अस्पतालों में अल जाला चिल्ड्रन हॉस्पिटल भी शामिल है। आपात सेवाएं समय पर नहीं पहुंच सकीं और बच्चों में भारी तनाव की खबरें मिली हैं।' यूनीसेफ ने सभी पक्षों से अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून और बाल अधिकार संधि का पालन करते हुए बच्चों और जरूरी ढांचे की सुरक्षा की अपील की है।

# अमेरिका और सीरिया के हाथ मिलाने से इजराइल हैरान

एजेंसी

**रियाद।** सऊदी अरब में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और सीरिया के अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शरा की मुलाकात ने मध्य पूर्व के कई देशों की चिंता बढ़ा दी है। इनमें इजराइल प्रमुख है। शरा पर कभी 10 मिलियन अमेरिकी डॉलर का इनाम था। सऊदी में जन्मे शरा पूर्व जिहादी हैं। सीरिया में सशस्त्र इस्लामी विद्रोह का नेतृत्व करने से पहले इराक में अमेरिकी सेना के खिलाफ लड़ाई में कई साल बिता चुके हैं। शरा को सीरिया के क्रूर तानाशाह बशर अल-असद को निर्वासित करने का श्रेय दिया जाता है। शरा सशस्त्र संघर्ष के दौरान आतंकी अबू मोहम्मद अल-जोलानी के नाम से कुख्यात रहा है। सीएनएन की खबर के अनुसार, ट्रंप और शरा ने रियाद में चाय पी। यह वही जिहादी है जिस पर 10 मिलियन अमेरिकी डॉलर का इनाम रहा है। शरा ने सीरिया की आधी सदी पुरानी असद सरकार को उखाड़ फेंकने के साथ ईरान समर्थित सशस्त्र समूहों को बाहर खदेड़ा और खुद को देश का

नेता घोषित किया। अल शरा को 2013 में अमेरिका की विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकवादी सूची में डाला गया था। तब वह सीरिया में अल कायदा के सहयोगी अल नुसरा फ्रंट का नेतृत्व कर रहा था। मध्य पूर्व के देशों में मिस्र, सीरिया, इजराइल, लेबनान, जॉर्डन, इराक, ईरान सऊदी अरब, कुवैत, बहरीन, कतर, ओमान, संयुक्त अरब अमीरात, यमन, फिलिस्तीन, साइप्रस, तुर्किये, लीबिया, सूडान, जिबूती, मोरक्को, अल्जीरिया, ट्यूनीशिया हैं। सीएनएन के अनुसार, ट्रंप की रियाद यात्रा में बहुत कुछ ऐसा घटा है, जिससे इजराइल को काफी आघात लगा है। ट्रंप की सीरिया के खिलाफ प्रतिबंध खत्म करने की घोषणा सीधे-सीधे इजराइल को चुनौती देती है। एक इजराइली अधिकारी का कहना है कि प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अप्रैल में वाशिंगटन में ट्रंप से मुलाकात के दौरान कहा था कि सीरिया पर लगाए गए प्रतिबंध नहीं हटाए जाने चाहिए। ऐसा करने से सात अक्टूबर, 2023 जैसी घटना की पुनरावृत्ति हो सकती है।

नेतन्याहू ने शरा और उनकी नई सरकार के साथ आक्रामक रुख अपनाया था। असद के निष्कासन के बाद के दिनों में उन्होंने सीरिया में अभूतपूर्व जमीनी हमले का आदेश दिया था। इस तनाव से नए सीरिया के लिए अच्छे पड़ोसी बनने के नेतन्याहू के शुरुआती वादे को झटका लगा। इजराइल के सैकड़ों हवाई हमलों में असद के हथियारों के अवशेषों, विशेष रूप से उसके रासायनिक हथियारों को निशाना बनाया गया, ताकि उन्हें आतंकवादी समूहों के हाथों में पड़ने से रोका जा सके। यही नहीं इजराइली सेना ने सीरिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट हरमोन पर कब्जा कर लिया । यह ऐसी चोटी है जहां से लेबनान और सीरिया की सैन्य रणनीति पर नजर रखी जा सकती है।

## परमाणु समझौते के लिए तैयार ट्रंप, लेकिन ईरान को छोड़नी होगी 'प्रॉक्सी वार' की नीति

एजेंसी

**दोहा/रियाध।** अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह ईरान के साथ परमाणु कार्यक्रम को लेकर जल्द एक समझौता करना चाहते हैं, लेकिन इसके लिए जरूरी है कि तेहरान मध्य पूर्व में अपने प्रॉक्सी गुटों को समर्थन देना बंद करे।ट्रंप इन दिनों मध्य पूर्व के तीन देशों की यात्रा पर हैं और इस दौरान उन्होंने कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी के साथ दोहा में विशेष बातचीत की। उन्होंने कहा, हम एक सकारात्मक परिणाम की ओर बढ़ रहे हैं और यह प्रक्रिया किसी न किसी रूप में सफल होगी। रियाद में सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की अध्यक्षता में हुई गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल (जीसीसी) की बैठक में ट्रंप ने ईरान को स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि 'ईरान को आतंकवाद को प्रायोजित करना, रक्तरंजित प्रॉक्सी युद्धों में भाग लेना और परमाणु हथियारों की दौड़ को स्थायी और सत्यापनीय रूप से रोकना होगा। उन्हें यह समझना होगा कि वे परमाणु हथियार नहीं रख सकते। वहीं, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने ट्रंप की टिप्पणी को भ्रामक और एकतरफा करार दिया।

हालांकि उन्होंने सीधे तौर पर प्रॉक्सी गुटों को लेकर ट्रंप की मांग पर कोई टिप्पणी नहीं की।ट्रंप ने अपने बयान में यह भी कहा कि अब समय आ गया है कि 'हिजबुल्ला के आतंक से मुक्त भविष्य' की ओर बढ़ा जाए। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष इजराइल के साथ युद्ध में हिजबुल्ला को भारी क्षति हुई, उसके कई वरिष्ठ कमांडर मारे गए और सीरिया में बशर अल-असद सरकार के पतन के बाद ईरान का एक अहम सहयोगी भी चला गया है।

## दूरसंचार घोटाला: सत्तारूढ़ दल के सांसद एवं पूर्व मंत्री के खिलाफ भ्रष्टाचार का मुकदमा

एजेंसी

**काठमांडू।** 321 करोड़ के दूरसंचार घोटाले में सत्तारूढ़ दल नेपाली कांग्रेस के सांसद और पूर्व मंत्री मोहन बहादुर बस्नेत सहित 15 अन्य लोगों के खिलाफ विशेष अदालत में भ्रष्टाचार का मामला दर्ज किया गया है। दूरसंचार यातायात निगरानी और धोखाधड़ी नियंत्रण प्रणाली (टेरामॉक्स) की खरीद के दौरान बस्नेत संचार मंत्री के पद पर कार्यरत थे। गुरुवार को एंटी करप्शन ब्यूरो ने विशेष अदालत में मामला दायर किया। पूर्व मंत्री बस्नेत के अलावा जिन अन्य लोगों के खिलाफ मुकदमा दायर किया गया है उनमें नेपाल दूरसंचार प्राधिकरण के पूर्व अध्यक्ष दिगंबर झा और पुरुषोत्तम खनाल, पूर्व सदस्य धनराज ज्ञवाली और टीका प्रसाद उप्रेती शामिल हैं। इसी तरह प्राधिकरण के निदेशक विजय कुमार राय, उप निदेशक रेवती राम पंथी और सुरेश बस्नेत, हिरन्य प्रसाद बस्ताकोटी और अच्युतानंद मिश्रा भी इसमें शामिल हैं। ब्यूरो के प्रवक्ता राजेंद्र पौडेल के मुताबिक

निदेशकों सुरेंद्र लाल ह्राडा, दीपेश आचार्य और उप निदेशक संदीप अधिकारी के खिलाफ भी मुकदमा दायर किया गया है। एंटी करप्शन ब्यूरो ने कंसल्टिंग कंपनी वैनराइज सॉल्यूशन, इसके सीईओ जमाल अनौती, इसके नेपाल एजेंट कार्यालय, अध्यक्ष दिलीप कुमार गुरुंग और निदेशक तेज प्रसाद खरेल के खिलाफ भी मुकदमा दायर किया है।

## चटगांव बंदरगाह में कर्मचारी संगठन की हड़ताल से कामकाज पूरी तरह ठप

एजेंसी

**ढाका।** बांग्लादेश के चटगांव बंदरगाह में आज सुबह छह बजे से आहूत कर्मचारी संगठन की 12 घंटे की हड़ताल की वजह से कामकाज पूरी तरह ठप पड़ गया। कंटेनर परिवहन रुक गया है। यह हड़ताल पुलिस ज्यादती के खिलाफ शुरू की गई है। हड़ताल में शामिल प्राइम मूवर चालकों और श्रमिकों पुलिस के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। द डेली स्टार अखबार की खबर के अनुसार, हड़ताल में शामिल लोगों का आरोप है कि पुलिस ने बेवजह यूनियन अध्यक्ष और दो सहकर्मियों के साथ मारपीट की। जिला प्राइम मूवर, ट्रेलर, कंक्रीट मिक्सर, फ्लैटबेड, ड्रम ट्रक वर्कर्स यूनियन के कार्यकारी अध्यक्ष हुमायूं कबीर ने कहा कि चट्टोग्राम के साल्टगोला क्रॉसिंग स्थित यूनियन कार्यालय के सामने मंगलवार रात विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने ज्यादती की । पुलिस ने एक ड्राइवर का पहचान पत्र और लाइसेंस जब्त कर लिया था। इसलिए विरोध प्रदर्शन करने

का निर्णय लिया गया था। बंदरगाह के अधिकारियों का कहना है कि काम बंद होने के कारण बंदरगाह और 21 निजी अंतर्देशीय कंटेनर डिपो का कामकाज सुबह से ही बंद है। हुमायूं ने आरोप लगाया कि मंगलवार रात पुलिस यूनियन के अध्यक्ष सलीम खान और दो ड्राइवरों दिलवर हुसैन और मोहम्मद फैसल को पहाड़तली थाना ले गई और उनके साथ मारपीट की। जबकि तीनों कथित तौर पर एक मामले को सुलझाने की कोशिश कर रहे थे। कर्मचारी नेता हुमायूं ने दावा किया कि सब इंस्पेक्टर अल अमीन ने करीब 10:30 बजे अलंगकर इलाके से एक घायल व्यक्ति को चटगांव मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाने के लिए प्राइम मूवर ड्राइवर एमडी लिटन को मजबूर करने की कोशिश की।

## चीन की संसद के उपाध्यक्ष चार दिन के नेपाल दौरे पर काठमांडू पहुंचे

एजेंसी

**काठमांडू।** चीन के नेशनल पीपुल्स कांग्रेस (एनपीसी) यानी चीन की संसद के उपाध्यक्ष शियाओ जी बीती रात को काठमांडू पहुंचे। नेपाली संसद के प्रतिनिधि सभा की डिप्टी स्पीकर के औपचारिक निमंत्रण पर वो चार दिन के नेपाल भ्रमण पर पहुंचे हैं। उपाध्यक्ष शियाओ जी मई 16-18 से काठमांडू में आयोजित होने वाले सागरमाथा संवाद कार्यक्रम में चीन के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। नेपाल सरकार के वन और पर्यावरण मंत्री ऐन बहादुर शाही ने त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे उनका स्वागत किया। इस दौरान नेपाल में चीन के राजदूत छन सोंग भी मौजूद रहे। चीन के दूतावास ने कहा कि नेपाल भ्रमण के दौरान शियाओ जी नेपाल के राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल, उपराष्ट्रपति रामसहाय यादव, वो पूर्व राष्ट्रपति विद्या भंडारी, पूर्व प्रधानमंत्री तथा माओवादी अध्यक्ष

प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली, प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष देवराज घिमिरे तथा राष्ट्रीय सभा के अध्यक्ष नारायण दहाल से मुलाकात करेंगे। पुष्प कमल दहाल प्रचण्ड, पूर्व प्रधानमंत्री माधव कुमार नेपाल, झलनाथ खनाल एवं डा बाबूराम भट्टराई से भी मुलाकात करेंगे।

## कतर एयरवेज ने 200 अरब डॉलर में किया 160 बोइंग विमान खरीदने का सौदा

एजेंसी

**दोहा।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की खाड़ी देशों की यात्रा के दौरान कतर एयरवेज ने अमेरिकी विमान निर्माता कंपनी बोइंग के साथ 160 जेट विमानों की खरीद के लिए 200 अरब डॉलर का सौदा किया है। इस ऐतिहासिक करार पर दोहा में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल-थानी की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए गए। समारोह के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, 'यह 200 अरब डॉलर से अधिक का सौदा है, और इसमें 160 विमान शामिल हैं। यह वास्तव में शानदार है।' उन्होंने बोइंग के सीईओ केली ऑर्टबर्ग को बधाई देते हुए इसे 'रिकॉर्ड डील'करार दिया। समारोह में अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने भी कतर के साथ रक्षा सहयोग को लेकर कई अहम समझौतों पर हस्ताक्षर किए। इनमें एमक्यू-9क्ष ड्रोन और एफएस-लिड्स रक्षा प्रणाली की पेशकश और स्वीकृति से संबंधित पत्र शामिल हैं।

इसके साथ ही ट्रंप ने कतर और अमेरिका के बीच एक संयुक्त रक्षा सहयोग घोषणा पत्र पर भी हस्ताक्षर किए। कतर के अमीर ने समझौते के बाद कहा कि दोनों देशों के बीच 'बेहतर चर्चा' हुई और अब संबंध 'एक नए स्तर पर पहुंच चुके हैं।' ट्रंप ने भी अमीर की प्रशंसा करते हुए कहा, ÷हम लंबे समय से मित्र हैं और यह व्यक्ति वास्तव में उत्कृष्ट हैं।' अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप इन दिनों चार दिवसीय खाड़ी दौरे पर हैं। कतर आगमन से पहले उन्होंने सऊदी अरब का दौरा किया, जो उनके राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान 2016-2020 की पहली विदेश यात्रा का गंतव्य भी था। उनका अंतिम पड़ाव संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) होगा।

## अमेरिका में रूसी वैज्ञानिक सेनिया पेत्रोवा पर कसा शिकंजा, न्याय विभाग ने जड़े गंभीर आरोप, जमानत पर 28 मई को सुनवाई

एजेंसी

**वाशिंगटन।** अमेरिका में रूसी वैज्ञानिक सेनिया पेत्रोवा को अदालत से जमानत नहीं मिल सकी। न्याय विभाग ने हार्वर्ड की मेडिकल शोधकर्ता पेत्रोवा पर वर्मोंट में यूएस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के समक्ष सुनवाई के दौरान गंभीर संघीय आरोप लगाया। न्याय विभाग ने कहा कि पेरिस से लौट रही 30 वर्षीय पेत्रोवा को 16 फरवरी को बोस्टन लोगान अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हिरासत में लिया गया था। उसके सामान में गैर-संक्रामक और गैर-विषाक्त मेंढक भ्रूण मिले थे। अभियोजकों का आरोप है कि वह अवैध रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका में तस्करी करने का प्रयास कर रही थी। अदालत ने सुनवाई के बाद पेत्रोवा की जमानत याचिका पर सुनवाई की तारीख 28 मई तय की है। न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, सेनिया

पेत्रोवा के वकीलों ने आरोपों पर आश्चर्य व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह आरोप अदालत में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पेश होने के कुछ घंटों बाद इसलिए लगाए गए, जिससे उसे रूस निर्वासित किया जा सके। रूस में उसे राजनीतिक गतिविधियों के लिए कई बार उत्पीड़न का सामना करना पड़ा है। संघीय अधिकारियों का कहना है कि पेत्रोवा ने निर्वासित करने के निरंतर प्रयास के बीच जानबूझकर कानून तोड़ा। पेत्रोवा के वकील ग्रेगरी रोमानोव्स्की का कहना है कि वह एक फ्रांसीसी प्रयोगशाला के प्रोफेसर के अनुरोध पर मेंढक के भ्रूण वापस ला रही थी। मैसाचुसेट्स में अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय ने कहा कि पेत्रोवा को सबसे पहले लुइसियाना के एक हिरासत केंद्र में रखा गया। इस पर पेत्रोवा के वकील का कहना है कि वहां से उसे एक संघीय जेल सुविधा केंद्र में ले जाया गया है। उन्होंने कहा कि सेनिया का वीजा रद्द करना कथित सीमा शुल्क उल्लंघन पर आधारित था। अमेरिका का कानून इसकी अनुमति नहीं देता। अदालत ने भी हिरासत में लिए जाने के बाद पेत्रोवा का वीजा रद्द करने के सरकार के फैसले पर आश्चर्य व्यक्त किया।

## नेतन्याहू का ऐलान: जब तक हमास का अंत नहीं होता, गाजा में युद्ध नहीं रुकेगा

एजेंसी

**यरुशलम।** गाजा में बंधक बनाए गए और हाल ही में रिहा हुए 65 इजराइली नागरिकों ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से अपील की है कि वे गाजा में अब भी बंदी बनाए गए लोगों की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए वार्ता फिर से शुरू करें और इस अहम मौके को गंवाने न दें। यह अपील 'होस्टेज एंड मिसिंग फैमिलीज फोरम' द्वारा जारी एक पत्र के माध्यम से की गई, जो 07 अक्टूबर 2023 को हमास द्वारा किए गए हमले के दौरान अपहृत लोगों और उनके परिजनों का प्रतिनिधित्व करता है। पत्र में लिखा गया है, 'हम, जो राज्य की लापरवाही के कारण 07 अक्टूबर को अगवा किए गए थे, अब जब रिहा हो चुके हैं, एडन अलेक्जेंडर की वापसी का स्वागत करते हैं।÷ उल्लेखनीय है कि अलेक्जेंडर, एक इजराइली-अमेरिकी सैनिक है जिन्हें अमेरिका द्वारा हमास

से स्वतंत्र वार्ता कर छुड़ाया गया।पूर्व बंधकों ने यह भी कहा, 'हमें विश्वास है कि इजराइली सरकार के पास अब वार्ता की मेज पर लौटने का एक वास्तविक अवसर है। हम आप सभी से अपील करते हैं कि जब तक एक व्यापक समझौता नहीं हो जाता, तब तक यह प्रयास न छोड़ें। पूर्व बंधकों की इस भावुक अपील को इस संघर्ष के बीच एक नई उम्मीद के रूप में देखा जा रहा है, जो क्षेत्रीय स्थिरता की दिशा में सार्थक पहल का द्वार खोल सकती है। हालांकि प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने मार्च में संक्षिप्त युद्धविराम के समाप्त होने के बाद हमास के साथ किसी भी प्रकार की वार्ता से इनकार कर दिया था।

## अमेरिका के शोधकर्ताओं ने की स्तन कैंसर जोखिम से जुड़े ऊतक परिवर्तनों की पहचान

एजेंसी

**लॉस एंजेल्स।** अमेरिका के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ (एनआईएच) के शोधकर्ताओं ने एक नए अध्ययन में स्तन संयोजी ऊतक में ऐसे संरचनात्मक बदलावों की पहचान की है, जो बहुत तेजी के साथ स्तन कैंसर के बढ़ते जोखिम से जुड़े हैं। नेशनल कैंसर इंस्टिट्यूट जर्नल में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, स्तन ऊतक में पाए गए बदलाव जिन्हें स्ट्रोमल डिसरप्शन कहा गया है, संभावित बायोमार्कर हो सकते हैं जो महिलाओं में कैंसर होने से पहले ही उसके खतरे का संकेत दे सकते हैं। यह भी पाया गया कि जिन महिलाओं में यह बदलाव होता है, उनमें आक्रामक ब्रेस्ट कैंसर होने पर जीवित रहने की संभावना कम होती है। शोधकर्ताओं ने मशीन लर्निंग की मदद से नौ हजार से अधिक स्तन ऊतक के नमूनों का विश्लेषण किया, जिनमें स्वस्थ, सौम्य और कैंसरग्रस्त ऊतक शामिल थे। उन्होंने पाया कि स्ट्रोमल डिसरप्शन उन महिलाओं में ज्यादा देखा गया जिनमें आक्रामक स्तन कैंसर के जोखिम कारक मौजूद थे, जैसे मोटापा, अश्वेत नस्ल, कम उम्र, बार-बार प्रसव और पारिवारिक इतिहास। सौम्य स्तन रोग वाली महिलाओं में स्ट्रोमल डिसरप्शन होने पर कैंसर होने की संभावना अधिक और तेजी से बढ़ने का खतरा रहता है। अध्ययन के अनुसार, जिन स्तन कैंसर मरीजों में स्ट्रोमल डिसरप्शन अधिक था।

## आईएमएफ से बांग्लादेश को मिलेगी 1.3 अरब डॉलर की राहत, विनिमय दर सुधारों पर बनी सहमति

एजेंसी

**ढाका।** अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने बांग्लादेश को 1.3 अरब डॉलर की नई वित्तीय सहायता देने की घोषणा की है। यह सहायता राशि आईएमएफ के 4.7 अरब डॉलर के ऋण पैकेज के तहत दी जा रही है, जिसमें अब चौथे और पांचवें चरण की किस्तें शामिल हैं। यह निर्णय मुद्रा विनिमय दर में सुधार पर बनी सहमति के बाद लिया गया है।

आईएमएफ और बांग्लादेश सरकार के बीच क्रॉलिंग पेग व्यवस्था को अपनाने पर सहमति बनी है।

इस प्रणाली के तहत बांग्लादेश की मुद्रा टका का मूल्य धीरे-धीरे वैश्विक विनिमय दरों के अनुसार बदलेगा, जिससे विदेशी मुद्रा बाज़ार में लचीलापन और पारदर्शिता आएगी। वॉशिंगटन में अप्रैल में हुई आईएमएफ और वर्ल्ड बैंक की स्प्रिंग मीटिंग में राजस्व प्रबंधन, मौद्रिक नीति, और विदेशी मुद्रा नीति पर गंभीर चर्चा हुई थी। बांग्लादेश के वित्त मंत्रालय ने

बयान जारी कर बताया कि सभी प्रमुख मुद्दों पर समीक्षा के बाद, दोनों पक्ष राजस्व नीति, मुद्रा विनिमय व्यवस्था और अन्य सुधार ढांचे पर सहमत हो गए हैं।

आईएमएफ के अनुसार, यदि कार्यकारी बोर्ड इस स्टाफ-लेवल डील को मंजूरी देता है, तो बांग्लादेश को एसडीआर 983.8 मिलियन (लगभग 1.3 अरब डॉलर) की राशि प्राप्त होगी। आईएमएफ ने बताया कि बांग्लादेश ने बढ़ती बाहरी वित्तपोषण आवश्यकताओं को पूरा करने और व्यापक आर्थिक स्थिरता का समर्थन करने के लिए ईसीएफ और ईएफएफ के तहत 567.2 मिलियन एसडीआर (लगभग 762 मिलियन डॉलर) की वृद्धि का भी अनुरोध किया था। वहीं, बांग्लादेश सरकार ने आईएमएफ की एक प्रमुख शर्त को मानते हुए राष्ट्रीय राजस्व बोर्ड (एनबीआर) को भंग कर दिया है। अब वित्त मंत्रालय के तहत दो स्वतंत्र इकाइयां बनाई गई हैं- एक कर नीति देखेगी और दूसरी कर संग्रह और प्रशासन का काम संभालेगी। सरकार को इसके अलावा 2 अरब डॉलर का बजट समर्थन भी अन्य विकास भागीदारों से मिलने की उम्मीद है। बांग्लादेश को यह राहत ऐसे समय मिली है जब देश को मुद्रास्फीति, धीमी विकास दर और विदेशी भुगतान संतुलन की गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। सरकार ने वित्तीय अनुशासन कड़ा करने, बैंकिंग सुधार लागू करने और जलवायु निवेश बढ़ाने का संकल्प जताया है।

## स्पोर्ट्सस्किल ने लॉन्च किया 'चैंपियंस क्लब एलीट पास', उभरते एथलीटों को मिलेगा राष्ट्रीय मंच

एजेंसी

**नई दिल्ली।** भारत के होनहार युवा खिलाड़ियों को निखारने और उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के उद्देश्य से स्पोर्ट्स टेक प्लेटफॉर्म स्पोर्ट्सस्किल ने 'चैंपियंस क्लब एलीट पास' की शुरुआत की है। यह पास सिर्फ एक विशेषाधिकार नहीं, बल्कि एक ऐसा मंच है जो टॉप रैंक वाले खिलाड़ियों को देश के सर्वश्रेष्ठ संसाधनों, विशेषज्ञों और अवसरों से जोड़ता है भारत के सबसे प्रतिष्ठित खेल संस्थानों में से एक क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया (सीसीआई) ने इस एलीट पास को समर्थन देकर इस पहल को ऐतिहासिक बना दिया है। यह पहला अवसर है जब देश का कोई शीर्ष क्लब इस प्रकार के खेल विकास मिशन से जुड़ा है। सीसीआई का समर्थन सिर्फ प्रतीकात्मक नहीं बल्कि यह एक शक्तिशाली संदेश है कि भारत के शीर्ष क्लब अब अगली पीढ़ी के चैंपियनों को सशक्त बनाने के लिए आगे आ रहे हैं। भारत के महान रैकेट स्पोर्ट्स खिलाड़ी और यू.एस. स्क्वैश हॉल ऑफ फेम में शामिल अनिल नायर ने इस पहल की प्रशंसा की है। 28 बार के नेशनल चैंपियन और हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्र अनिल नायर ने कहा, ÷चैंपियंस क्लब एलीट पास विजेता खिलाड़ियों, क्लब सदस्यों और जूनियर्स – तीनों के लिए फायदे का सौदा है। इस तरह के सोशल इंटरैक्शन से खेल का प्रचार और क्लब की ब्रांडिंग दोनों में मदद मिलती है। यह शानदार विचार है।

## वाराणसी के शेख जिशान ने खेलो इंडिया नेशनल यूथ गेम्स 2025 में ट्रिपल जंप में बनाया नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

**पटना/वाराणसी।** बिहार की राजधानी पटना में आयोजित हो रहे खेलो इंडिया नेशनल यूथ गेम्स 2025 में वाराणसी के विकास इंटर कॉलेज के छात्र व उभरते हुए एथलीट शेख जिशान ने ट्रिपल जंप में शानदार प्रदर्शन करते हुए नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड स्थापित किया है। शेख जिशान ने 15.66 मीटर की शानदार छलांग लगाकर न केवल स्वर्ण पदक अपने नाम किया, बल्कि इस प्रतियोगिता में इतिहास भी रच दिया सातवें खेलो इंडिया नेशनल यूथ गेम्स 2025 का आयोजन पटना में 04 मई से शुरू हुआ है और यह 15 मई तक चलेगा। इस आयोजन में देशभर से हजारों युवा एथलीट विभिन्न खेलों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। बिहार सरकार और खेल मंत्रालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता का उद्देश्य युवा प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना और खेलों में भारत का नाम रोशन करना है। शेख जिशान ने ट्रिपल जंप के फाइनल में 15.66 मीटर की छलांग लगाकर सभी को आश्चर्यचकित कर दिया। उन्होंने कहा कि %यह मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है। मैंने इसके लिए दिन-रात मेहनत की थी, और मेरे कोच और परिवार का समर्थन मेरे लिए बहुत मायने रखता है।% विशेषज्ञों का मानना है कि अगर जिशान इसी तरह मेहनत करते रहे, तो वह जल्द ही अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं जैसे एशियाई खेलों और विश्व चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं।

## पंजाब एफसी ने जमशेदपुर एफसी को हराकर जीता एआईएफएफ अंडर-17 एलीट यूथ लीग का खिताब

**गुवाहाटी।** पहले हाफ में किए गए चार गोलों की बदौलत पंजाब एफसी ने जमशेदपुर एफसी को 4-1 से हराकर इंदिरा गांधी एथलेटिक स्टेडियम में खेले गए एआईएफएफ अंडर-17 एलीट यूथ लीग 2024-25 के फाइनल का अपने नाम किया। करिश सोराम, आशीष लोहार, विकास किस्कु और उशाम थौंगाम्बा सिंह ने 11 मिनट के अंतराल में चार गोल दागकर टीम की जीत सुनिश्चित की। पंजाब एफसी ने फाइनल राउंड प्लेऑफ के तीन मुकाबलों में से दो जीतकर नॉकआउट चरण में जगह बनाई थी। उन्होंने सुदेवा दिल्ली और एफसी गोवा के खिलाफ क्रमशः 5-0 और 6-0 से शानदार जीत दर्ज करते हुए क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया था। इस दौर में उनकी एकमात्र हार एआईएफएफ फीफा टैलेंट अकादमी के खिलाफ 4-5 के नौ गोलों वाले रोमांचक मुकाबले में हुई। क्वार्टरफाइनल में पंजाब एफसी ने बंगाल फुटबॉल अकादमी को 6-2 से हराया, जबकि सेमीफाइनल में एफसी मद्रास के खिलाफ कड़े मुकाबले में 3-2 से जीत दर्ज कर फाइनल में जगह बनाई। कोच रमेश गंगाराम बिस्टा के नेतृत्व में टीम ने ज़ोनल राउंड क्वालिफायर में शीर्ष स्थान हासिल कर टूर्नामेंट के फाइनल राउंड के लिए क्वॉलीफाई किया था।

## भारत ने सैफ अंडर-19 चैंपियनशिप में नेपाल को 4-0 से हराया

**यूपिया।** भारतीय फुटबॉल टीम नेपाल पर 4-0 से बड़ी जीत दर्ज कर सैफ अंडर-19 चैंपियनशिप के ग्रुप बी में शीर्ष स्थान पर रही। गोल्डन जुबली स्टेडियम में रात खेले गये मुकाबले में मेजबान भारतीय टीम टीम ने प्रत्येक हाफ में दो गोल किए। भारत के लिए रोहेन सिंह चपहामायुम ने (28वें, 76वें) मिनट में गोल किए, जबकि स्थानीय खिलाड़ी ओमंग डोडम ने (29वें) और डैनी मेइतेई ने (84वें)मिनट में एक-एक गोल किया। इस जीत के साथ भारतीय टीम ग्रुप बी में दो मैचों में छह अंक लेकर शीर्ष पर है। वहीं नेपाल दो मैचों में तीन अंक लेकर दूसरे स्थान पर रहा। भारतीय टीम ग्रुप ए के उपविजेता मालदीव से भिड़ेगी।

# आईपीएल 2025: अब टीमें विदेशी खिलाड़ियों की जगह ले सकेंगी नए खिलाड़ी, लेकिन नहीं कर सकेंगी रिटेन

एजेंसी

**नई दिल्ली।** इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) के अंतिम चरण से पहले बड़ा बदलाव किया गया है। बीसीसीआई ने घोषणा की है कि टीमें अब विदेशी खिलाड़ियों की अनुपलब्धता की स्थिति में अस्थायी स्थानापन्न खिलाड़ी को शामिल कर सकती हैं। यह निर्णय उन खिलाड़ियों की अनुपस्थिति को देखते हुए लिया गया है जो या तो राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं, निजी कारणों या स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण टूर्नामेंट में भाग नहीं ले पा रहे हैं।आईपीएल फ्रेंचाइजियों को भेजे गए आधिकारिक नोट में कहा गया है,जो खिलाड़ी इस समय से लिए जा रहे हैं, वे अगले वर्ष रिटेन नहीं किए जा सकेंगे। उन्हें आईपीएल 2026 की नीलामी के लिए फिर से पंजीकरण कराना होगा।

**12वें मैच के बाद अस्थायी खिलाड़ी नहीं जोड़ने का नियम हुआ खत्म**

सीजन की शुरुआत में जारी नियम पुस्तिका के अनुसार, कोई भी टीम अपने 12वें लीग मैच के बाद

अस्थायी खिलाड़ी नहीं जोड़ सकती थी। लेकिन भारत-पाकिस्तान तनाव के चलते टूर्नामेंट को 8 मई से निलंबित करना पड़ा, जिससे यह अपवाद स्थिति बन गई। इस अभूतपूर्व स्थिति को देखते हुए, आईपीएल अधिकारियों ने नियमों में संशोधन कर दिया है।

**कई विदेशी खिलाड़ी लौटे, कुछ नहीं होंगे वापस**

धर्मशाला में पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मुकाबले के अगले दिन जब सुरक्षा कारणों से स्टेडियम खाली कराया गया और टूर्नामेंट को रोका गया, तब से अधिकांश विदेशी खिलाड़ी अपने देशों को लौट चुके थे।

हालांकि, आईपीएल के दोबारा शुरू होने पर अधिकांश विदेशी खिलाड़ी वापसी करेंगे, लेकिन जो खिलाड़ी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल का हिस्सा हैं या जिनके परिवार उन्हें भारत लौटने की अनुमति नहीं दे रहे, वे वापस नहीं आएंगे। इससे किसी भी टीम को नुकसान न हो, इसीलिए यह अस्थायी विकल्प का रास्ता खुला गया है।

**दिल्ली कैपिटल्स का उदाहरण:** इस नए नियम का पहला उदाहरण दिल्ली कैपिटल्स की टीम में देखने को मिला है, जहां मुस्तफिजुर रहमान को जेक फ्रेजर-मैकगर्क के स्थान पर टीम में शामिल किया गया है। इसका मतलब यह है कि रहमान को अगली सीजन के लिए रिटेन नहीं किया जा सकेगा, लेकिन मैकगर्क को टीम में बनाए रखा जा सकता है। आईपीएल 2025 में नियमों में किया गया यह बदलाव संकट की स्थिति में लीग की लचीलापन और निष्पक्षता बनाए रखने का एक प्रयास है, जिससे हर टीम को बराबरी का मौका मिल सके।

## श्नाइडर को हराकर जैस्मीन पाओलिनी इटैलियन ओपन के सेमीफाइनल में

एजेंसी

**रोम।** इटली की टेनिस खिलाड़ी जैस्मीन पाओलिनी ने रूस की डायना श्नाइडर को हराकर इटैलियन ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। छठी वरीयता प्राप्त पाओलिनी ने मंगलवार को खेले गये वर्षा बाधित मुकाबले में रूस की श्नाइडर पर 6-7 (1-7) 6-4 6-2 से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ वह 2014 के बाद अंतिम चार में पहुंचने वाली पहली इटली की महिला टेनिस खिलाड़ी बन गईं। सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद पाओलिनी ने कहा, 'यह वास्तव में कठिन मैच था। मैं बहुत खुश हूं कि मैंने मुकाबला जीता, लेकिन यह एक रोलर कोस्टर था। हर कदम पर मैंने एक नई तरकीब खोजी। मैंने अंत तक संघर्ष किया। निश्चित रूप से दर्शकों ने मेरी मदद की। इसलिए मैं जीत से वास्तव में बहुत खुश हूं।'

## दक्षिण कोरिया के स्टार फुटबॉलर सोन ह्युंग-मिन के खिलाफ ब्लैकमेलिंग की कोशिश, शिकायत दर्ज

एजेंसी

**सियोल।** टोटेनहम हॉटस्पर के कप्तान और दक्षिण कोरियाई फुटबॉल स्टार सोन ह्युंग-मिन ने एक महिला द्वारा झूठे गर्भावस्था के दावे को लेकर ब्लैकमेल किए जाने की शिकायत पुलिस में दर्ज कराई है। यह जानकारी गुरुवार को उनकी एजेंसी 'सोन एंड फुटबॉल लिमिटेड' ने दी।

**सोन ह्युंग-मिन इस मामले में पूरी तरह पीड़ित हैं**

सोन की एजेंसी ने बयान जारी करते हुए कहा, फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। जैसे ही परिणाम सामने आएंगे, हम जानकारी साझा करेंगे। हम यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि सोन ह्युंग-मिन इस मामले में पूरी तरह से पीड़ित हैं।

**महिला और उसके सहयोगी को पुलिस ने किया गिरफ्तार**

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पुलिस ने 20 के दशक की एक महिला और 40 के दशक के एक पुरुष को गिरफ्तार किया है। दोनों पर आरोप है कि उन्होंने झूठे गर्भावस्था दावे के जरिए सोन से पैसे ऐंठने की कोशिश की। मामले की जांच सियोल के गंगनम पुलिस स्टेशन द्वारा की जा रही है। हालांकि

पुलिस की ओर से इस पर कोई आधिकारिक टिप्पणी अभी नहीं की गई है।

**कोरिया में बेहद लोकप्रिय हैं सोन ह्युंग-मिन**

32 वर्षीय सोन ह्युंग-मिन न केवल इंग्लैंड के प्रीमियर लीग में अपने शानदार प्रदर्शन के लिए जाने जाते हैं, बल्कि कोरिया की राष्ट्रीय टीम के कप्तान के तौर पर भी वे देश में बेहद सम्मानित और लोकप्रिय चेहरा हैं। उनके खिलाफ इस प्रकार का मामला सामने आना उनके फैंस के लिए चौंकाने वाला है।

## रियल मैड्रिड की आखिरी पलों में जीत, बार्सिलोना की जश्न की उम्मीदों को झटका

एजेंसी

**मैड्रिड।** सैंटियागो बर्नाबेउ स्टेडियम में बुधवार देर रात खेले गए मुकाबले में रियल मैड्रिड ने अंतिम समय में गोल दागकर आरसीडी मल्लोर्का को 2-1 से हराया और बार्सिलोना की ला लीगा खिताब जीतने की उम्मीदों को फिलहाल के लिए टाल दिया।

**बार्सिलोना की खिताबी उम्मीदों को लगा विराम**

इस जीत के साथ ही मैड्रिड ने अंक तालिका में बार्सिलोना से फासला घटाकर 4 कर दिया है। अब यदि गुरुवार को बार्सिलोना अपने पड़ोसी क्लब एस्पानयोल को हरा देता है, तो वह खिताब अपने नाम कर सकता है। इससे पहले, रविवार को 'एल क्लासिको' में बार्सिलोना के हाथों हार झेलने के बाद रियल मैड्रिड के पास यह मुकाबला जीतने के अलावा कोई विकल्प नहीं था।

**वैलजेंट के शुरुआती गोल से पिछड़ा मैड्रिड**

मैच की शुरुआत में मल्लोर्का ने आक्रामक अंदाज़ दिखाया और 11वें मिनट में मार्टिन वैलजेंट ने गोल दागकर अपनी टीम को बढ़त दिला दी। मैड्रिड की ओर से कई प्रयास हुए, लेकिन मल्लोर्का के गोलकीपर लियो रोमन ने शानदार बचाव करते हुए पहले हाफ में जूड

बेलिंघम, किलियन एम्बाप्पे और फेडे वाल्वर्डे को गोल करने से रोके रखा।

**एम्बाप्पे और जैकोबो ने पलट दिया मैच**

दूसरे हाफ में आखिरकार 68वें मिनट में किलियन एम्बाप्पे ने बेहतरीन फुटवर्क दिखाते हुए तीन डिफेंडरों को छकाया और गेंद को नेट में डालकर स्कोर 1-1 कर दिया। यह इस सीजन में एम्बाप्पे का 40वां गोल था। जब मैच ड्रॉ की ओर बढ़ रहा था, तभी इंजरी टाइम के 95वें मिनट में 20 वर्षीय डिफेंडर जैकोबो रामोन ने गिरती हुई गेंद को गोलकीपर के ऊपर से नेट में डालकर मैड्रिड को जीत दिला दी।

**अनचेलोटी की विदाई से पहले जज्बा दिखा रही है टीम**

मैड्रिड के कोच कार्लो अनचेलोटी सीज़न के बाद ब्राज़ील की राष्ट्रीय टीम की कमान संभालने जा रहे हैं। चोटिल खिलाड़ियों के चलते मैड्रिड की टीम इस मैच में विनीसियस जूनियर और रोड्रिगो जैसे खिलाड़ियों के बिना उतरी, लेकिन युवा खिलाड़ियों ने बेहतरीन जज्बा दिखाया। वहीं मल्लोर्का की टीम यूरोपीय टूर्नामेंट में क्वालिफाई करने की दौड़ में बनी हुई है और इस मैच में उसने भी दमदार खेल दिखाया। अब निगाहें गुरुवार को होने वाले बार्सिलोना बनाम एस्पानयोल मुकाबले पर होंगी, जहां जीत के साथ ही बार्सिलोना अपना 28वां ला लीगा खिताब हासिल कर सकता है।

## शेफर्ड और लिविंगस्टोन की आरसीबी में वापसी, प्लेऑफ से पहले टीम को मिला बूस्ट

एजेंसी

**नई दिल्ली।** इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) के रिवाइज्ड शेड्यूल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को बड़ा फायदा मिला है। वेस्टइंडीज ऑलराउंडर रोमारियो शेफर्ड और इंग्लैंड के लियम लिविंगस्टोन टीम में दोबारा शामिल हो गए हैं। शेफर्ड के साथ कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाड़ी आंद्रे रसेल, सुनील नरेन और मेंटर ड्वेन ब्रावो भी भारत लौटे हैं। शेफर्ड वेस्टइंडीज की उस वनडे टीम का हिस्सा हैं जो 29 मई से इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज खेलेगी। संयोग से यही तारीख आईपीएल 2025 के प्लेऑफ की भी है। अब तक क्रिकेट वेस्टइंडीज ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि इंग्लैंड दौरे पर जाने वाले खिलाड़ी आईपीएल के बचे हुए

मुकाबले खेल पाएंगे या नहीं।

**लिविंगस्टोन की वापसी, बेटेल दो मैचों के लिए उपलब्ध**

लियम लिविंगस्टोन अब आरसीबी से जुड़ चुके हैं। उन्हें इंग्लैंड की वनडे और टी20 टीम से ड्रॉप कर दिया गया है, जिससे वे आईपीएल के अंत तक उपलब्ध रहेंगे। वहीं जैकब बेटेल पहले ही टीम से दोबारा जुड़ चुके हैं और केकेआर तथा सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अगले दो मैचों में खेलेंगे। इसके बाद वे इंग्लैंड लौट जाएंगे। उन्हें इंग्लैंड की जिम्बाब्वे के खिलाफ 29 मई से शुरू होने वाली टेस्ट सीरीज में नहीं चुना गया है।

**फिल सॉल्ट पूरे सीजन के लिए उपलब्ध**

फिल सॉल्ट, जिनकी बीमारी के चलते बेटेल को डेब्यू का मौका मिला, अब पूरी तरह फिट हैं और आईपीएल के बाकी बचे मैचों में उपलब्ध रहेंगे। वे इंग्लैंड की केवल टी20 टीम में शामिल हैं और वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज 6 जून से शुरू होनी है, जो आईपीएल फाइनल के तीन दिन बाद है।

**आरसीबी प्लेऑफ के करीब**

आरसीबी 11 मैचों में 16 अंकों के साथ टॉप-4 की रेस में मजबूत स्थिति में है। टीम को प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई करने के लिए अब केवल कुछ और पॉइंट्स की जरूरत है। हालांकि, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ियों की उपलब्धता पर अंतिम फैसला आने वाले दिनों में होगा, जो टीम की रणनीति को प्रभावित कर सकता है।

## बरौनी की फुटबॉल क्रांति : दिल की चोट बनी जीत की विरासत

एजेंसी

**बेगूसराय/पटना।** बिहार के बेगूसराय की फिजाओं में फुटबॉल का रंग घुला है और यह सिर्फ फ्लाईओवर के खंभों पर लिखा एक नारा नहीं है, यह एक खामोश क्रांति की दास्तान है, जो बिहार के एक गुमनाम कोने में टूटी हड्डियों और आहत स्वाभिमान के साथ शुरू हुई थी। राजधानी पटना की भागदौड़ से दूर बरौनी के एक शांत मुहल्ले में फुटबॉल यूं ही नहीं आ गई। इसे अपनी पहचान बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ा। स्वतंत्रता सेनानी यमुना भगत की विरासत के रूप में पहचाना जाने वाला यह मैदान लगभग 80 साल पहले फुटबॉल का अप्रत्याशित घर बन गया था। वहीं, इस कहानी का असली मोड़ वर्ष 1990 में आया, जब स्थानीय लड़कियों की एक अनुभवहीन और आत्मविश्वास से रहित टीम एक प्रदर्शनी मैच में मुजफ्फरपुर की धुरंधर टीम के सामने बुरी तरह हार गई। यह हार मैदान की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित मैच में सिर्फ शारीरिक चोटें नहीं दे गई बल्कि हर खिलाड़ी के आत्मसम्मान को भी गहरा आघात पहुंचा गई। कुछ लड़कियां लंगड़ाती हुई लौटीं, कुछ को स्ट्रेचर पर ले जाना पड़ा और सबके जख्म जिस्मानी दर्द से कहीं ज्यादा गहरे थे। उस अपमानजनक हार ने शर्मिंदगी नहीं बल्कि एक दृढ़ संकल्प को जन्म दिया। पूर्व फुटबॉलर और स्थानीय शिक्षक चंद्रशेखर, जिनकी बातों में पीढ़ियों का अनुभव झलकता है, उस दिन को याद करते हुए कहते हैं, हमें अपमानित किया गया था लेकिन हमने उस दर्द को एक मकसद में बदल दिया।

## आईसीसी महिला वनडे रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया का दबदबा कायम, भारत ने इंग्लैंड से घटाया फासला

एजेंसी

**दुबई।** अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा महिला वनडे टीम रैंकिंग में सालाना अपडेट जारी कर दिया गया है, जिसमें ऑस्ट्रेलिया ने एक बार फिर अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। हालांकि इंग्लैंड के मुकाबले उनकी बढ़त में चार अंकों की कमी आई है, लेकिन टीम अब भी बाकी देशों से काफी आगे बनी हुई है। यह अपडेट मई 2022 से अप्रैल 2024 के बीच खेले गए मैचों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, जबकि अक्टूबर 2021 से अप्रैल 2022 तक खेले गए मैचों को हटाया गया है। इनमें 2022 महिला विश्व कप जैसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट भी शामिल हैं, जिनके नतीजे अब रैंकिंग में नहीं गिने जाएंगे।

**ऑस्ट्रेलिया का अपराजेय प्रदर्शनः** ऑस्ट्रेलिया की टीम ने इस

अवधि में शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने भारत के खिलाफ दो बार 3-0 से जीत, बांग्लादेश और इंग्लैंड को भी 3-0 से हराया। इसके अलावा वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड के खिलाफ 2-0 और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2-1 से सीरीज अपने नाम की। इसी के चलते उनकी रेटिंग 167 अंकों पर बनी हुई है।

**भारत ने घटाया इंग्लैंड से फासला**

इंग्लैंड इस सूची में दूसरे स्थान पर है और उसके 127 अंक हैं। भारत तीसरे पायदान पर बना हुआ है, लेकिन अब उसने इंग्लैंड से फासला 11 अंकों से घटाकर 6 अंक कर लिया है। भारत ने हाल ही में श्रीलंका में एक त्रिकोणीय सीरीज़ जीती और आयरलैंड, वेस्टइंडीज, दक्षिण अफ्रीका को 3-0 तथा न्यूजीलैंड को 2-1 से हराया।

**अन्य टीमों की स्थिति**

दक्षिण अफ्रीका के रेटिंग में 9 अंकों की गिरावट आई है, लेकिन वह पांचवें स्थान पर बना हुआ है। वेस्टइंडीज की टीम 10 अंकों की गिरावट के साथ नौवें स्थान पर पहुंच गई है और बांग्लादेश व पाकिस्तान ने उन्हें पीछे छोड़ दिया है। वहीं, अमेरिका (यूएसए) को एकदिनी दर्जा गंवाने के कारण सूची से बाहर कर दिया गया है, और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को उनकी जगह दी गई है। हालांकि, यूएई को रैंकिंग में शामिल होने के लिए कम से कम आठ वनडे मैच खेलने होंगे।

## नेशनल कैंप में वापसी से उत्साहित सेल्वम कार्ति ने कहा- अब लक्ष्य है टीम में जगह बनाना और गोल करना

**नई दिल्ली।** एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 के यूरोपीय चरण के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम तैयारियों में जुटी हुई है, जहां उनका मुकाबला नीदरलैंड्स, अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया और बेल्जियम जैसी दिग्गज टीमों से होगा। इस अहम सीरीज से पहले भारतीय कैंप में एक नाम फिर से चर्चा में है, फारवर्ड सेल्वम कार्ति, जिन्होंने करीब 9 महीनों बाद राष्ट्रीय सेटअप में वापसी की है। तमिलनाडु से ताल्लुक रखने वाले 23 वर्षीय कार्ति ने आखिरी बार एशियन चैंपियंस ट्रॉफी चेन्नई 2023 में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। इस बार वह 40 सदस्यीय कोर ग्रुप का हिस्सा हैं। वापसी को लेकर उन्होंने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, मैं नेशनल कैंप में वापस आकर बहुत खुश हूं(

## दिल्ली कैपिटल्स में मुस्तफिजुर रहमान की वापसी, जेक फ्रेजर-मैकगर्क की लेंगे जगह

एजेंसी

**नई दिल्ली।** इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के शेष मुकाबलों के लिए दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) ने बांग्लादेश के अनुभवी तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को टीम में शामिल किया है। वह ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज जेक फ्रेजर-मैकगर्क की जगह लेंगे, जिन्होंने व्यक्तिगत कारणों से टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया है। दिल्ली कैपिटल्स ने उन्हें 6 करोड़ रुपये की कीमत पर अपने स्क्वॉड में शामिल किया है। उनकी गेंदबाजी शैली (बाएं हाथ से मध्यम गति और कटर गेंदों में महारत) उन्हें विशेष बनाती है, जो किसी भी बल्लेबाजी क्रम को परेशान करने में सक्षम है। टीम मैनेजमेंट को उम्मीद है कि मुस्तफिजुर का अनुभव और विविधता टीम को टूर्नामेंट के निर्णायक मुकाबलों में मजबूती प्रदान करेगी। इससे पहले भी वह आईपीएल में मुंबई इंडियंस, सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स जैसी टीमों के लिए खेल चुके हैं। मुस्तफिजुर रहमान

आईपीएल में पहले से ही एक जाना-पहचाना नाम हैं। उन्होंने अब तक 57 आईपीएल मैचों में 61 विकेट झटके हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी वह टी20 प्रारूप में बांग्लादेश के लिए 106 मैचों में 132 विकेट लेकर अपनी उपयोगिता साबित कर चुके हैं। वहीं, जेक फ्रेजर-मैकगर्क ने इस सीजन में दिल्ली कैपिटल्स के लिए कुछ महत्वपूर्ण पारियां खेली थीं और उनकी जगह भरना आसान नहीं होगा। लेकिन मुस्तफिजुर की वापसी से गेंदबाजी विभाग को संतुलन मिलने की उम्मीद है।

## आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड कप 2025 : गन फॉर ग्लोरी अकादमी के आठ निशानेबाज भारतीय दल का हिस्सा

एजेंसी

**पुणे/नई दिल्ली।** जर्मनी के सुहल शहर में 19 से 27 मई तक आयोजित होने वाले आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड कप 2025 के लिए भारत ने 36 सदस्यीय निशानेबाजी दल की घोषणा की है। इस दल में गगन नारंग द्वारा स्थापित गन फॉर ग्लोरी अकादमी के आठ प्रतिभाशाली युवा निशानेबाज भी शामिल हैं, जो भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। इन खिलाड़ियों में नरैन प्रणव, मुकेश नेलावली, अनुष्का ठोकर, प्राची गायकवाड़, के. तनिष्क नायडू (आरपीओ), सग्निक बनर्जी (आरपीओ), मेल्विना एंजेलिन जोएल (आरपीओ) और वेदांत वाघमारे (आरपीओ) के नाम प्रमुख हैं। ये सभी खिलाड़ी प्रोजेक्ट लीप के तहत प्रशिक्षित हुए हैं- यह ओलंपिक गोल्ड क्रेस्ट के सहयोग से चलाया जा रहा एक विशेष कार्यक्रम है, जो शारीरिक, मानसिक और तकनीकी कौशल के समग्र विकास पर केंद्रित है।पूर्व ओलंपिक कांस्य पदक विजेता गगन नारंग ने कहा, हमारे खिलाड़ियों पर गर्व है जो आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड कप में देश का प्रतिनिधित्व करेंगे। उनकी मेहनत, समर्पण और प्रतिभा हमारे अकादमी के मूल्यों को दर्शाती है। मुझे विश्वास है कि ये युवा भारत को गौरवान्वित करेंगे। मेरी शुभकामनाएं उनके साथ हैं।'

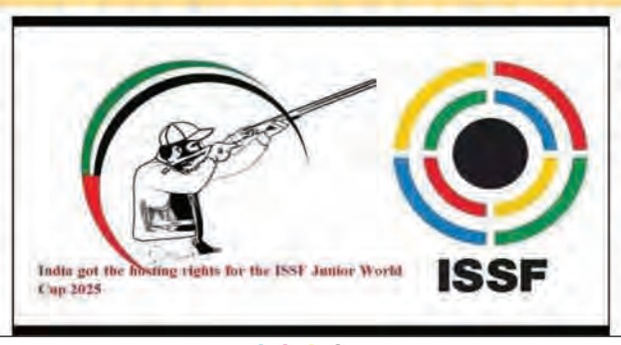


**प्रतियोगिता में भारतीय प्रतिनिधियों की स्पर्धाएं इस प्रकार होंगी-**

नरैन प्रणवः 10 मीटर एयर राइफल जूनियर पुरुष एवं मिश्रित टीम

मुकेश, तनिष्क और सग्निकः 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल जूनियर पुरुष

अनुष्का, प्राची और मेल्विनाः 50 मीटर थ्री-पोजिशन (3क्र) जूनियर महिला

**वेदांत वाघमारेः 50 मीटर थ्री-पोजिशन (3P) जूनियर पुरुष**

उत्साहित अनुष्का ठोकर ने कहा, गगन नारंग स्पोर्ट्स प्रमोशन फाउंडेशन का मैं तहेदिल से धन्यवाद करती हूं। उनके मार्गदर्शन और समर्थन के बिना यह सफर संभव नहीं था। अब मेरा लक्ष्य है कि मैं इस मंच पर देश और अपने गुरुओं को गौरवान्वित कर सकूं। उल्लेखनीय है कि प्रोजेक्ट लीप 2017 से अब तक 60 से अधिक उच्च स्तरीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित कर चुका है और इसका उद्देश्य भारत में ओलंपिक स्तर के निशानेबाज़ तैयार करना है।

## 'झनक' में आया 20 साल का लीप, क्या शो से

# हिबा नवाब

## की हो जाएगी छुट्टी?

टेलीविजन इंडस्ट्री में कई सारे ऐसे सीरियल बनाए जाते हैं, जो लोगों के दिलों में खास जगह बना लेते हैं. उन्हीं में से एक कहानी झनक की भी है, जिसमें लीड रोल में हिबा नवाब और कुशाल आहूजा हैं. इस सीरियल को काफी सारे लोग पसंद करते हैं. हालांकि, अब इस सीरियल की कहानी में बड़ा बदलाव होने जा रहा है, जिसके चलते खबर आ रही है कि हिबा भी शो से जल्द ही अलविदा कहने वाली हैं.झनक के मेकर्स सीरियल में बड़ा बदलाव लाने के लिए 20 साल का लीप लाने वाले हैं. लीप की वजह से काफी सारे बदलाव होने वाले हैं, हालांकि शो से जुड़ी नई रिपोर्ट के मुताबिक, बताया जा रहा है कि हिबा नवाब अब इस शो का हिस्सा नहीं होगी. हालांकि, इस खबर से झनक के साथ ही साथ हिबा के फैंस को भी झटका लगा है. हिबा के साथ ही साथ शो के और भी कई सारे एक्टर्स शो से बाहर होने वाले हैं.

**कई एक्टर्स होंगे बाहर**

टाइम्स नाउ के मुताबिक, हिबा ने पोर्टल से शो के बारे में बात करते हुए इस बात की कंफर्मेशन दी है कि वो इस सो को छोड़ रही हैं. हिबा ने कहा, 'झनक में लीप आने वाला है, लीप आने के बाद मैं इस शो का हिस्सा नहीं हूं. आने वाले वक्त में शो के किरदारों की बढ़ती उम्र दिखाई जाएगी, ऐसे में शो के मेकर्स ने कुशाल अहूजा, हिबा और चांदनी शर्मा को शो से बाहर होने के लिए कह दिया है.

**फैंस हो गए हैं निराश**

हाल ही में इंडिया फोरम की रिपोर्ट में शो के लीप की पुष्टि की थी. हालांकि, झनक के किरदार में लोग हिबा को काफी पसंद करते थे. ये खबर सामने आने के बाद से फैंस में निराशा फैल गई है. इस शो के जरिए हिबा ने लोगों के बीच अपनी कमाल की पहचान बनाई है. हालांकि, शो में लीप आने के बाद से ये देखना काफी मजेदार होने वाला है कि मेकर्स का ये नया ट्विस्ट लोगों को पसंद आता है भी या नहीं.

## कार एक्सीडेंट के बाद शतरंज खेलते-सुर लगाते नजर आए पवनदीप राजन, खुश हुए फैंस

'इंडियन आइडल 12' के विनर पवनदीप राजन का हाल ही में बहुत बड़ा कार एक्सीडेंट हो गया था. लेकिन अब वो पूरी तरह से खतरे से बाहर हैं. दरअसल अस्पताल में दाखिल करने के बाद पवनदीप की कई सर्जरी हो चुकी है. सर्जरी के बाद वो पहले से बहुत बेहतर महसूस कर रहे हैं. तबीयत में सुधार आने के बाद अब पवनदीप सोशल मीडिया पर भी एक्टिव हो गए हैं. हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम स्टेटस पर एक स्टोरी पोस्ट की थी, जिसमें वो अपने स्टाफ के साथ शतरंज खेलते हुए दिख रहे थे. साथ ही उनका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ है, जिसमें वो अस्पताल में अपने बेड पर बैठकर गाना गाते नजर आ रहे हैं. उनका ये अंदाज देख उनके फैंस भी बेहद खुश हैं.

पवनदीप की टीम भी सिंगर के सोशल मीडिया अकाउंट से उनकी हेल्थ अपडेट फैंस के साथ शेयर करती रहती है. उनकी टीम ने ही बताया था कि एक्सीडेंट के बाद डॉक्टर ने बताया था कि पवनदीप के शरीर में कई जगह फ्रैक्चर है, जिसके लिए उनके कई ऑपरेशन होंगे. अब भी पवनदीप उसी अस्पताल में हैं, जहां उनका इलाज हो रहा है. पवनदीप राजन के इंस्टाग्राम स्टोरी से ये साफ जाहिर होता है कि अब उनकी हेल्थ पहले से काफी बेहतर है. अस्पताल के स्टाफ के साथ शतरंज खेलते हुए स्टोरी पोस्ट कर पवनदीप ने लिखा है कि 'रिकवरी मोड ऑन. आपके आशीर्वाद के लिए शुक्रिया.'

**होश आते ही ऊंचे सुर में गाने लगे पवनदीप**

अस्पताल से वायरल हुए पवनदीप के लेटेस्ट वीडियो में वो 'जो भेजी थी दुआ' गाने का रियाज करते हुए नजर आ रहे हैं. दरअसल ऐसी हालत में उन्हें ऊंचे स्वर लगाने में तकलीफ हो रही है.

लेकिन फिर भी उन्होंने अपना रियाज शुरू रखा है. दरअसल, इंडियन आइडल विनर पवनदीप का 5 मई 2025 को उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद के पास कार एक्सीडेंट हुआ था. उनकी कार सड़क पर खड़े कैंटर ट्रक से भिड़ गई थी. हादसे में गाड़ी बुरी तरह डैमेज हो गई. इस एक्सीडेंट में पवनदीप के अलावा दो अन्य भी गंभीर रूप से घायल हो गए थे.

## शाहरुख खान ने अपने बच्चों से क्या सीखा? एक्टर ने सबके सामने बताई थी फैमिली की ये खास बात

बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान ने अपने करियर में वो मुकाम हासिल किया है, जिसे हासिल करने का सपना हर एक नया कलाकार देखता है. शाहरुख का नाम आज देश दुनिया में है. लेकिन ये कामयाबी उन्हें रातों-रात या थाली में परोस कर नहीं मिली है, बल्कि इसके लिए जी तोड़ मेहनत और काम के प्रति समर्पण रहा है.शाहरुख खान के अभिनय को लोगों ने काफी पसंद किया है. शाहरुख के कई फैंस ने अभिनेता से काफी कुछ सीखा भी है. वहीं शाहरुख के बच्चों को भी पिता से कई बार खास सलाह और सीख मिली है. लेकिन क्या आप ये जानते हैं कि शाहरुख ने भी अपने बच्चों से कुछ सीखा है. ये खुलासा खुद एक्टर एक बातचीत के दौरान कर चुके हैं.

**शाहरुख ने अपने बच्चों से क्या सीखा ?**

शाहरुख का अपने तीनों ही बच्चों बेटी सुहाना खान और दोनों बेटों आर्यन खान और अबराम खान के साथ बेहद खास रिश्ता है. शाहरुख से कुछ समय पहले एक बातचीत के दौरान एक एक शख्स ने सवाल किया था कि आप ऐसी कौन सी चीज है जो अपने काम में इस्तेमाल कर सकते हैं जो आपको अपने परिवार से सीखने को मिली है ? और वो कौन सी चीज है जो आपको ज्यादा से ज्यादा मोटिवेट करती है ?

अभिनेता ने इसके जवाब में अपने तीनों बच्चों को लेकर बात की थी. उन्होंने तीनों की एक-एक समस्या के बारे में बताते हुए कहा था कि उन्होंने फैमिली से धैर्य रखना सीखा है. शाहरुख ने कहा था, जितने बच्चे होते है उतना धैर्य आदमी में बढ़ता है. तो अभिनेताने अपनी पत्नी गौरी खान और बच्चों से लाइफ में धैर्य रखने का गुण सीखा है जो कि जीवन की कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी सबसे अहम साबित होता है.

**1991 में हुई थी गौरी-शाहरुख की शादी**

शाहरुख ने खुद से पांच साल छोटी गौरी खान से लव मैरिज की थी. दोनों की शादी साल 1992 में हुई थी. इसके बाद कपल ने बेटे आर्यन खान का वेलकम किया था. 1997 में आर्यन के जन्म के बाद बेटी सुहाना का जन्म 22 मई 2000 को हुआ था. दो बच्चों के बाद भी शाहरुख-गौरी ने एक और बच्चे की प्लानिंग की. शाहरुख जब 47 साल के थे और गौरी 42 साल की थीं तब दोनों ने सरोगेसी के जरिए साल 2013 में छोटे बेटे अबराम का स्वागत किया था.

## शो में हुई भैंसों की एंट्री

# निया शर्मा

## को याद आ गई नानी, चिल्ला-चिल्ला कर हुआ बुरा हाल

कलर्स टीवी के मजेदार रियलिटी शो 'लाफ्टर शेफ सीजन 2' के आने वाले एपिसोड में कुछ खास मेहमानों की एंट्री होने वाली है. ये खास मेहमान आमतौर पर शो में शामिल होने वाले सेलिब्रिटी एक्टर्स से बिल्कुल ही अलग हैं. दरअसल चार पैर और एक पूछ वाले ये मेहमान कोई और नहीं

बल्कि 3 भैंस है. जी हां, लाफ्टर शो के सेट पर भैंसों की एंट्री होने वाली है. शो नए प्रोमो में शो के जज हरपाल सिंह शो में शामिल सेलिब्रिटीज को ये कहते हुए नजर आ रहे हैं कि सभी कंटेस्टेंट्स को अब भैंस का दूध भी निकालना होगा. उनकी बात सुनकर शो में शामिल कृष्णा अभिषेक, अंकिता लोखंडे, निया शर्मा और रीम शेख जैसे सभी सितारे हैरान रह जाते हैं.

निया शर्मा तो भैंस के पास बैठकर डर के मारे रोने और चिल्लाने लगती हैं. वो कहती हैं कि कहीं भैंस उन्हें उठाकर ही न फेंक दे. वहीं, जब अंकिता लोखंडे भैंस का दूध निकालने की कोशिश करती हैं, तब कृष्णा अभिषेक उनका मजाक उड़ाते हुए कहते हैं कि खदान से कोयला तो बहुत निकाला है, अब दूध निकालो भैया. दरअसल अंकिता के पति विक्की जैन का कोयले के खदान का बिजनेस है. सिर्फ निया शर्मा ही नहीं शो की होस्ट भारती सिंह भी भैंसों को देखकर थोड़ी डरी हुई नजर आती हैं.

**सीजन 2 में शामिल हैं कई नए चेहरे**

कलर्स का कुकिंग रियलिटी शो 'लाफ्टर शेफ' का ये नया सीजन सिर्फ खाना बनाने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि हंसी-मजाक के साथ इस शो के हर एपिसोड में ढेर सारा ड्रामा भी देखने को मिलता है. इस शो का पहला सीजन सुपरहिट होने के बाद मेकर्स ने 'लाफ्टर शेफ' के दूसरे सीजन के साथ टीवी पर कमबैक किया है. लेकिन इस शो के सीजन 2 की शुरुआत में भारती सिंह, राहुल वैद्य, कृष्णा अभिषेक, कश्मीरा शाह, सुदेश लहरी के अलावा नए चेहरों को इस शो के लिए कास्ट किया गया था. इन नए चेहरों में एल्विश यादव, अब्दु, मन्नारा चोपड़ा, अभिषेक शर्मा और समर्थ जुरेल जैसे एक्स-बिग बॉस कंटेस्टेंट भी शामिल हैं.

# बिहार पुलिस ने मुझे रोकने की कोशिश की: राहुल गांधी

## संवाद कब से अपराध हो गया? नीतीश जी? आप किस बात से डर रहे हैं?

**पटना/दरभंगा**
कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बिहार के दरभंगा में अंबेडकर छात्रावास के छात्रों को 'शिक्षा न्याय संवाद' कार्यक्रम में संबोधित किया। प्रशासन ने इस कार्यक्रम की अनुमति नहीं दी थी, लेकिन कांग्रेस नेता वहां पहुंचे और छात्रों से संवाद किया। उन्होंने इस मौके पर कहा कि बिहार की पुलिस ने मुझे रोकने की कोशिश की लेकिन मुझे नहीं रोक पाई, क्योंकि आप सभी की शक्ति मेरे पीछे है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि बिहार सरकार उनको दरभंगा में छात्रों से संवाद करने से रोक रही है, लेकिन वह पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार सामाजिक न्याय की स्थिति को छुपाना चाहती है। मुझे अंबेडकर हॉस्टल में दलित और पिछड़े छात्रों से बातचीत करने से रोक रही है। संवाद कब से अपराध हो गया? नीतीश जी? आप किस बात से डर रहे हैं? क्या बिहार में शिक्षा और सामाजिक न्याय की स्थिति छुपाना चाहते हैं?" राहुल गांधी ने कहा कि उनके कारण ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में जाति जनगणना कराने का फैसला लिया है। हमने पीएम मोदी से कहा कि आपको जाति जनगणना करानी होगी, वे लोकतंत्र, संविधान और जाति जनगणना के खिलाफ हैं, लेकिन आखिरकार एनडीए सरकार को

कास्ट सेंसस पर फैसला लेना पड़ा। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि आप सभी छात्रों और युवाओं को एक साथ खड़ा होना है। देश में दलितों, पिछड़ों, अतिपिछड़ों और आदिवासियों के साथ अन्याय होता है। आपके साथ भेदभाव होता है और आपको शिक्षा के सिस्टम में रोका जाता है। इसलिए हमारी मांग है कि सही तरीके से जातिगत जनगणना कराई जाए। प्राइवेट कॉलेज और यूनिवर्सिटी में आरक्षण लागू हो, लेकिन केंद्र और बिहार सरकार ये कानून लागू नहीं कर रही है। इसलिए हम इनपर दबाव डालेंगे और ये करके दिखाएंगे। मौके पर कांग्रेस नेता शकील अहमद खान ने कहा, 'राहुल गांधी जद्दोजहद और तहरीक के इंसान हैं। वे संघर्षशील इंसान हैं, जो किसी आंधी-तूफान के आगे रुकते नहीं हैं। हमने प्रयास किया था कि हमें जाने दिया जाए क्योंकि हम वहां केवल संवाद करेंगे लेकिन प्रशासन ने हमें रोक दिया।'

### कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ बिहार के दरभंगा में मामला दर्ज

**पटना।** कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ दरभंगा के लहेरियासराय थाना में प्राथमिकी दर्ज की गयी है। राहुल गांधी सहित 20 कांग्रेस नेताओं के खिलाफ नामजद मामला दर्ज किया गया है। राहुल गांधी और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के खिलाफ जो दो अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज की गयी है, उसमें से पहली बीएनएस की धारा 163 (पुराना 144) निषेधाज्ञा तोड़ने के कारण, मौके पर मौजूद मजिस्ट्रेट खुर्शीद आलम ने केस दर्ज कराई है, तो दूसरी प्राथमिकी बिना अनुमति अम्बेडकर कल्याण छात्रावास में जबरन कार्यक्रम करने के कारण, जिला कल्याण पदाधिकारी आलोक कुमार ने प्राथमिकी दर्ज कराई है।

## बिहार में अराजकता फैलाना चाहते हैं राहुल गाँधी, कांग्रेस ने पिछड़ों को छला: सम्राट

**पटना**
उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का बिहार में शिक्षा के कैम्पस- छात्रावास का राजनीतिकरण करना "अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है । वे प्रधानमंत्री मोदी के लिए गुंडों जैसी भाषा का इस्तेमाल करते हैं। सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार सरकार की योजना के तहत छात्रों के कल्याण के लिए जो छात्रावास बने हैं , वहां किसी को राजनीतिक बैठक करने अनुमति नहीं, लेकिन दरभंगा में राहुल गाँधी ने कानून तोड़कर कैम्पस का राजनीतिकरण करने की कोशिश की। उन्होने कहा कि यह पीड़ादायक है कि नेता प्रतिपक्ष ने कानून का आदर नहीं किया और उनकी पार्टी के नेताओं ने जिस टाउन हॉल की बुकिंग करवाई थी , जहाँ अनुमति मिली थी , वहां कार्यक्रम नहीं किया। सम्राट चौधरी ने कहा कि राहुल गाँधी ने गुंडागर्दी करके जबरदस्ती कार्यक्रम किया। यह शर्मनाक है। इसके लिए राहुल गांधी को बिहार की जनता से माफी मांगनी चाहिए। उन्होने कहा कि राहुल गाँधी बिहार में झूठ बोल कर अराजकता फैलाना चाहते हैं ।

कभी वे संविधान की फर्जी कॉपी दिखा कर दलितों-पिछड़ों को गुमराह करते थे, अब अम्बेडकर की तस्वीर लहरा कर धोखा देना चाहते हैं । उन्होंने कहा कि जिस कांग्रेस ने 60 साल तक पिछड़ों को आरक्षण देने का विरोध किया, मंडल आयोग की रिपोर्ट दबाए रखी , उसके राजकुमार बिहार आकर पिछड़ों के मसीहा बनना चाहते हैं। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि आप सभी छात्रों और युवाओं को एक साथ खड़ा होना है। देश में दलितों, पिछड़ों, अतिपिछड़ों और आदिवासियों के साथ अन्याय होता है। आपके साथ भेदभाव होता है और आपको शिक्षा के सिस्टम में रोका जाता है। इसलिए हमारी मांग है कि सही तरीके से जातिगत जनगणना कराई जाए। प्राइवेट कॉलेज और यूनिवर्सिटी में आरक्षण लागू हो, लेकिन केंद्र और बिहार सरकार ये कानून लागू नहीं कर रही है। इसलिए हम इनपर दबाव डालेंगे और ये करके दिखाएंगे। मौके पर कांग्रेस नेता शकील अहमद खान ने कहा, 'राहुल गांधी जद्दोजहद और तहरीक के इंसान हैं। वे संघर्षशील इंसान हैं, जो किसी आंधी-तूफान के आगे रुकते नहीं हैं।

## श्रीनगर के लिए सभी उड़ान कनेक्शन बहाल कर दिए गए

**श्रीनगर**
**केंद्रीय नागरिक** उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने गुरुवार को घोषणा की कि श्रीनगर के लिए सभी उड़ान कनेक्शन बहाल कर दिए गए हैं और शेष भारत के लोगों से कश्मीर घाटी में आने का आग्रह किया है। नायडू ने यहां संवाददाताओं से कहा हमने आज (15 मई) से सभी शेड्यूल (उड़ानों के लिए) खोल दिए हैं। चाहे वह दिल्ली हो, मुंबई हो, और अन्य कनेक्शन बहाल कर दिए गए हैं। लोग यहां पर्यटन, अर्थव्यवस्था और व्यवसाय के मामले में कठिन समय से गुजर रहे हैं। श्रीनगर के लिए सभी उड़ान कनेक्शन बहाल कर दिए गए हैं। कश्मीर सुरक्षित है। हम चाहते हैं कि लोग यहां फिर से आएं। हमें कश्मीर की अर्थव्यवस्था के साथ खड़ा होना है। उन्होंने कहा कि श्रीनगर हवाई अड्डे पर उड़ान संचालन फिर से शुरू हो गया है। मैं यहां स्थानीय लोगों से मिला जिन्होंने आवाज उठाई कि पर्यटन को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। सरकार इस दिशा में सभी आवश्यक कदम उठाएगी। उन्होंने कहा कि वह हवाई अड्डे पर स्थिति की समीक्षा करने के लिए श्रीनगर का दौरा कर रहे हैं। उन्होंने ऑपरेशन सिन्दूर में सफलता के लिए सशस्त्र बलों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि पाकिस्तान के क्षेत्र में आतंकवादियों पर सटीक हमले गर्व की बात है। नायडू ने कहा नागरिक उड्डयन मंत्री के तौर पर मैं यहां हवाईअड्डे पर स्थिति की समीक्षा करने के लिए श्रीनगर आया हूं। दूसरे मैं पहलगाम में हुई आतंकवादी घटना के जवाब में शुरू किए गए ऑपरेशन सिन्दूर में सफलता के लिए हमारे सशस्त्र बलों को धन्यवाद और सलाम करना चाहता हूं।।

## सुप्रीम कोर्ट ने ओपन जेल में सेटेलाइट अस्पताल की मंजूरी दी,

**जयपुर**
सुप्रीम कोर्ट ने सांगानेर स्थित देश की पहली ओपन एयर जेल में 22,232 वर्गमीटर जमीन पर राज्य सरकार की ओर से 300 बैड्स के सेटेलाइट हॉस्पिटल बनाए जाने को मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही राज्य के सीएस को अवमानना की कार्रवाई से मुक्त कर दिया है। वहीं सुप्रीम कोर्ट के रजिस्ट्रार की ओर से दी गई सिफारिशों को भी स्वीकार किया है।

## दो मुठभेड़ में छह आतंकवादियों को मार गिराया गया

**पुलवामा**
पुलवामा के उपजिला अवंतीपोरा के त्राल इलाके के नादर में गुरुवार को आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच हुई मुठभेड़ में जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के तीन आतंकवादी मारे गए हैं। मारे गए तीनों आतंकवादी जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले के निवासी हैं। क्षेत्र में फिलहाल तलाशी अभियान जारी है। केंद्र शासित प्रदेश में 48 घंटों के भीतर दो मुठभेड़ में छह आतंकवादियों को मार गिराया गया है। अधिकारियों ने बताया कि मारे गए तीनों आतंकवादियों की पहचान पुलवामा जिले के निवासी

आसिफ अहमद शेख, आमिर नजीर वानी और यावर अहमद भट के रूप में हुई है। श्रीनगर स्थित सेना की 15वीं कोर के मुताबिक 15 मई को अंतरराष्ट्रीय एजेंसी से विशेष खुफिया इनपुट के आधार पर भारतीय सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ ने त्राल के नादर में घेराबंदी करते हुए तलाशी अभियान शुरू किया था। सतर्क सैनिकों के चुनौती दिए जाने पर आतंकवादियों ने गोलीबारी की, जिसके बाद दोनों ओर से भीषण गोलीबारी शुरू हो गई। आईजीपी कश्मीर वीके बिरदी ने पत्रकारों को बताया कि मुठभेड़ स्थल पर मलबे के पास तीन शव देखे गए हैं। ऑपरेशन अभी भी जारी है, इलाके को साफ करने में कुछ समय लगेगा। उन्होंने कहा कि यह सक्रिय आतंकवादी तंत्र को नष्ट करने का एक व्यापक प्रयास है।

## ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद भाजपा ने धर्मशाला में निकाली तिरंगा यात्रा

**दिव्य दिल्ली :** ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद भाजपा ने धर्मशाला के कोतवाली बाजार से लेकर कचहरी अड्डे तक तिरंगा यात्रा निकली जिसमें हजारों की संख्या में लोगों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया इस दौरान नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर,भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ राजीव बिंदल, सांसद राजीव भारद्वाज, विपिन सिंह परमार, स्थानीय विधायक सुधीर शर्मा, राकेश पठानिया, रणबीर सिंह निक्का आदि कई भाजपा नेता मौजूद रहे इस अवसर पर मीडिया को संबोधित करते हुए नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने

कहा कि आज का भारत बदल चुका है
यह नया भारत शांति चाहता है, पर आतंक के समूल विनाश के लिए किसी भी सीमा तक जाने को तत्पर है उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने स्पष्ट कर दिया है कि अब भारत किसी प्रकार के आंतकवाद को बर्दाश्त नहीं करेगा उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री ने कहा हैं कि ऑपरेशन सिन्दूर चल रहा है समाप्त नहीं हुआ है उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिन्दूर केवल सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि यह न्याय और राष्ट्रसम्मान की अखंड प्रतिज्ञा है जिसे भारत ने पूरे विश्व के सामने साकार किया है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने पाकिस्तान की सीमा में घुसकर जैश, लश्कर और हिजबुल जैसे वैश्विक आतंक के अड्डों को ध्वस्त किया है तिरंगा सिर्फ एक झंडा नहीं, यह राष्ट्र की आत्मा है और उस आत्मा का नेतृत्व प्रधानमंत्री मोदी कर रहे हैं।

## पहलगाम हमले से देशवासियों में आक्रोश: मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

## भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर चला कर किया शांत: मुख्यमंत्री भजनलाल

**जयपुर**
भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम को समर्पित तिरंगा यात्रा जयपुर में गुरुवार को निकाली गई। अल्बर्ट हॉल से बड़ी चौपड़ तक निकाली गई तिरंगा यात्रा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी सहित भाजपा नेता, पदाधिकारी, सांसद, विधायकगण, समाज के बुद्धिजीवी वर्ग, विद्यार्थी, महिलाएं–बुजुर्ग शामिल हुए। तिरंगा यात्रा अल्बर्ट हॉल से शुरू होकर न्यू गेट, बापू बाजार, सांगानेरी गेट होते हुए बड़ी चौपड़ पर संपन्न हुई। यात्रा के दौरान रास्तों में फूलों की वर्षा के साथ देशभक्ति का माहौल देखने को मिला। जामा मस्जिद पर मुस्लिम समुदाय ने भी यात्रा का स्वागत कर गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल पेश की।
तिरंगा यात्रा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि "पहलगाम हमले के बाद देशवासियों के मन में जो आक्रोश था, उसे हमारी सेना ने आतंकियों के अड्डों पर हमला कर शांत किया। यह नया भारत है, जहां आतंकियों की मदद करने वालों को करारा जवाब दिया जाता है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अब नए भारत की तस्वीर देश के सामने आई है। भारतीय सेना ने बता दिया कि हम किसी से कम नहीं है। आतंकियों की मदद करने वालों को सबक सिखाने का काम हमारी सेना ने किया है। पाकिस्तान समझ चुका है, अब यह बदला हुआ भारत है, देश में मजबूत नेतृत्व है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने तिरंगा यात्रा को संबोधित करते हुए कहा कि यह यात्रा किसी राजनीतिक दल की नहीं, बल्कि भारतीय सेना के सम्मान में प्रदेश के हर नागरिक की है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रभक्ति पक्ष और विपक्ष दोनों के लिए समान रूप से जरूरी है।

## भारत ने बुद्ध की शाश्वत शिक्षाओं के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई

**नई दिल्ली**
राजधानी नई दिल्ली स्थित डॉ. बी.आर. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में गुरुवार को वैशाख बुद्ध पूर्णिमा 2025 का भव्य आयोजन हुआ। संस्कृति मंत्रालय और अंतरराष्ट्रीय बौद्ध महासंघ (आईबीसी) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में बुद्ध के जन्म, ज्ञान और महापरिनिर्वाण की पावन स्मृति को नमन किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने मुख्य

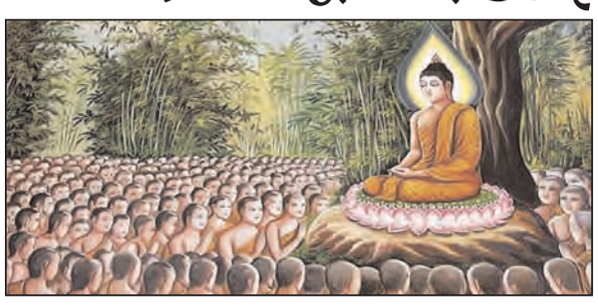

अतिथि के रूप में समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कहा, ह्लभारत न केवल भगवान बुद्ध की जन्मस्थली है, बल्कि उनके सार्वभौमिक संदेश-शांति, करुणा और मध्यम मार्ग का संवाहक और संरक्षक भी है।ह्व उन्होंने यह भी बताया कि भारत सरकार ने बौद्ध सांस्कृतिक कनेक्ट को सशक्त बनाने के लिए कई प्रभावी पहल की हैं, जिसमें पवित्र बुद्ध अवशेषों का प्रदर्शन शामिल है, जो मंगोलिया, श्रीलंका, थाईलैंड और वियतनाम जैसे देशों में भेजे गए हैं। इन प्रदर्शनों ने आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा दिया है। कार्यक्रम के मानद अतिथि किरण रिजिजू ने कहा कि बुद्ध की शिक्षाएं आज के सामाजिक और वैचारिक संघर्षों में भी मार्गदर्शन प्रदान करती हैं।

## छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर ड्रैगन-पास सेवा बंद

**मुंबई**
मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे ने गुरुवार की रात एक महत्वपूर्ण बयान जारी करते हुए कहा कि ड्रैगन-पास के साथ उसकी साझेदारी को तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिया गया है। यह सेवा अब अडानी समूह द्वारा प्रबंधित हवाई अड्डों पर उपलब्ध नहीं होगी। हवाई अड्डा प्रबंधन द्वारा जारी आधिकारिक बयान में कहा गया कि ह्लड्रैगन-पास के माध्यम से एयरपोर्ट लाउंज की जो सुविधा उपलब्ध कराई जाती थी, उसे तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिया गया है। अडानी द्वारा संचालित हवाई अड्डों पर अब ड्रैगन-पास ग्राहकों को लाउंज की सुविधा नहीं मिलेगी।" हवाई अड्डा प्रबंधन ने यह भी स्पष्ट किया कि इस बदलाव का अन्य यात्रियों के लाउंज अनुभव और यात्रा सुविधा पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

## सभी नामदानी जिनको जयगुरुदेव नाम से प्रेम है आप 17 से 25 मई तक नौ दिन का साधना शिविर लगा दो: बाबा उमाकान्त जी महाराज

**दिव्या दिल्ली :** बावल, रेवाड़ी, हरियाणा बाबा उमाकान्त जी महाराज ने 14 मई, 2025 को बावल आश्रम में सतसंग के माध्यम से बताया कि गुरु महाराज के भंडारे के समय साधना का नौ दिन का मुहूर्त निकाला गया है। 17 मई से 25 मई तक उज्जैन आश्रम पर यह साधना शिविर चलेगी। जो लोग उज्जैन नहीं आ सकते हैं, उनके लिए जितने भी अपने बाबा जयगुरुदेव आश्रम के नाम से आश्रम बने हुए हैं, आप वहीं पर पांच-पांच दिन की शिविर लगा दो। तो जो लोग जिस आश्रम के नजदीक हैं और उज्जैन नहीं आ सकते हो तो आप वहीं पर समय के अनुसार पांच दिन बैठें और सच्चे भाव व निर्मल हृदय से गुरु को याद करें। जब साधना करें तो गुरु से प्रार्थना करें कि हमारे ऊपर भी दया करो तो जैसी आपकी श्रद्धा, भाव-भक्ति होगी उसी हिसाब से गुरु आप सब पर दया

करेंगे। अगर आप शिविर की व्यवस्था कई जगह पर, गांव-गांव में बना ले गए तो आपको भी लाभ मिलेगा। अब अगर कोई साधना शिविर कहीं नहीं लगा पाता है तो आप अपने-अपने घरों में नौ दिन का लगा दो, 24 घंटे, 48 घंटे, 72 घंटे, 120 घंटे का लगा दो। अब अगर परिवार के लोगों का सहयोग ना मिला पाए तो आप खुद कम से कम 24 घंटे में से 5-6 घंटे तो बैठो ही बैठो; चाहे दो-दो घंटों के खंड में ही 3-4 बार बैठो तो आपको भी गुरु देंगे।24 घंटे में 5-6 घंटे ही अगर बैठोगे तो गुरु आपको आगे का रास्ता दिखा देंगे जो लोग गुरु महाराज के नामदानी हैं या जो बाद के नामदानी हो, नाम अगर आपको कुछ याद है, जयगुरुदेव नाम से आपको प्रेम है, आप इस वक्त देश-विदेश में कहीं भी हो, गुरु का या किसी भी देवी-देवता का मंदिर बना कर के चला रहे हो, कोई संस्था चला रहे हो, मठ बना लिया, इस तरह से आप कहीं भी हो आप सब भी इसी तरह का नौ दिन का साधना शिविर लगा दो और उसमें खुद भी बैठो और लोगों (नामदानी) को भी बैठाओ। आप नामदानी चाहे मठाधीश हो, किसी धार्मिक संस्था के अध्यक्ष हो या जो भी हो; आप लोग अगर यह काम कर ले गए तो जितना लोग आपको मानते हैं उससे ज्यादा मानने लगेंगे। आप 24 घंटे में 5-6 घंटे ही अगर बैठोगे तो आपको आगे क्या करना है यह रास्ता गुरु दिखा देंगे। गुरु महाराज जो काम मुझे सौंप कर के गए, उसी काम में मैं लगा हुआ हूं गुरु महाराज जो काम मुझे सौंप कर के गए, उसी काम में मैं लगा हुआ हूं। जो लोग हमें अपना दुश्मन मानते हैं, हमारे पास नहीं आते हैं, विरोध भी करते हैं, हम उनसे यह नहीं कहते हैं कि हमारे पास आओ। अगर आओगे तो आपका स्वागत है, हम आपको गले लगाएंगे, आपको सम्मानित जगह देंगे लेकिन आप साधन-भजन-ध्यान-सुमिरन करने के लिए आओ। तो गुरु महाराज जिनके नाम को बढ़ाने में आप लगे हो, आप भी आओ। अगर नहीं आ सकते हो, हमको दुश्मन ही मानते हो, तो भी हमारा यह फर्ज बनता है कि हम आपसे प्रार्थना कर लें गुरु के काम नाम के लिए कि आप लोग 5-6 घंटे बैठने तो लग जाओ नौ दिन। जब आप बैठने लग जाओगे तो आपको भी राह मिल जाएगी। यह हमारा फर्ज बनता है क्योंकि गुरु महाराज ने कहा था कि "यह पुरानों की सम्भाल करेंगे" तो सम्भाल वाला फर्ज मैं अदा कर रहा हूं। और फर्ज अदा करने के लिए अगर हमें किसी का पैर भी छूना पड़े तो हमें कोई एतराज नहीं है। तो हम उस फर्ज के अंतर्गत, गुरु के आदेश के अंतर्गत सब लोगों से यह प्रार्थना कर रहे हैं कि आप लोग जो यह नौ दिन का शुभ मुहूर्त निकला है इसमें साधना करो।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397